शर्मा हार्डওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 172 | गुवाहाटी | बुधवार, 22 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

महाकुंभ से संतों ने किया न हिंदू पतितो भवेत् का उद्घोष पेज 2
वशिष्ठ प्रेस क्लब चोरी मामले में महिला समेत चार गिरफ्तार पेज 3
शिक्षा के मंदिर में अश्लीलता फैलाने के आरोपी शिक्षक व शिक्षिका सेवा से बर्खास्त पेज 5
भारतीय संस्कृति और आतिथ्य ने अंतर्राष्ट्रीय प्लेयर्स का जीता दिल पेज 7

गुवाहाटी में मिला पहला एचएमपीवी पीड़ित मरीज

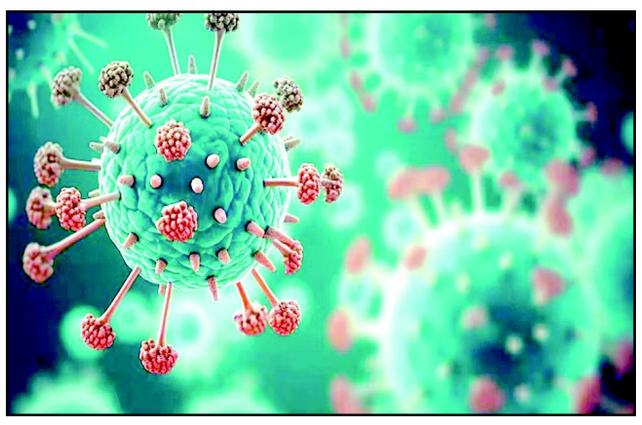

गुवाहाटी (हि.स. /एजे)। गुवाहाटी में एक 75 वर्षीय महिला में मानव मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) संक्रमण का पता चला है, जो इस मौसम में असम में दर्ज किया गया दूसरा मामला है। मरीज का फिलहाल गुवाहाटी के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है। अस्पताल के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और वायरस के आगे प्रसार को रोकने के लिए उसे अलग रखा गया है। महिला को असंबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद नियमित नैदानिक परीक्षणों के दौरान संक्रमण का पता चला। हालांकि राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन अस्पताल अधिकारियों ने मंगलवार को इस निदान का खुलासा किया। उधर मरीज के पति को भी बुखार और खांसी की शिकायत है। महिला के 81 वर्षीय पति का भी एचएमपीवी का परीक्षण के लिए सैंपल भेजा गया है और परीक्षण रिपोर्ट का इंतजार है। मालूम हो कि यह मामला असम में इस मौसम में पहली बार एचएमपीवी संक्रमण की पुष्टि के बाद सामने आया है, जिसमें लखीमपुर का 10 महीने का बच्चा शामिल था। शिशु को डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एएमसीएच) में उपचार दिया गया और अब वह ठीक हो गया है। एचएमपीवी एक श्वसन वायरस है जो सभी उम्र के लोगों को प्रभावित करता है, खासकर सर्दियों और शुरुआती वसंत के दौरान। लक्षण अक्सर हल्के होते हैं और खांसी, नाक बंद होना और बुखार सहित सामान्य सर्दी के समान होते हैं। ज्यादातर मामलों में, संक्रमण अपने आप ठीक हो जाता है और इसके लिए न्यूनतम चिकित्सा हस्तक्षेप की आवश्यकता होती है। हालांकि, बुजुर्गों, शिशुओं और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्तियों में इसके लक्षण ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक एचएमपीवी के संबंध में विस्तृत सलाह जारी नहीं की है, लेकिन उससे निगरानी और जागरूकता प्रयासों को बढ़ाने की उम्मीद है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) की पहचान सबसे पहले 2001 में हुई थी और इसे दुनिया भर में श्वसन संबंधी बीमारियों का एक महत्वपूर्ण कारण माना जाता है। अपने रिश्तेदार, रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस (आरएसवी) की तरह, यह मुख्य रूप से श्वसन बूंदों, संक्रमित सतहों के साथ सीधे संपर्क या संक्रमित व्यक्तियों के साथ निकट संपर्क के माध्यम से फैलता है।

सीएम ने असम और कोरिया के ऊर्जा उद्योगों, सेमीकंडक्टर और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया

सियोल। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार (स्थानीय समय) को अक्षय ऊर्जा, अर्धचालक, लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) और स्टार्टअप जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ कई बैठकें कीं। ये बैठकें मुख्यमंत्री के एडवांटेज असम 2.0 के लिए दक्षिण कोरिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रोड शो के पहले चरण के समापन को चिह्नित करती हैं। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सेमीकंडक्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में दक्षिण कोरिया, असम में एक व्यापक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के प्रयासों में योगदान दे सकता है। उन्होंने असम में इस क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाओं और वैश्विक खिलाड़ियों के लिए असम सरकार और भारत सरकार दोनों के समर्थन का लाभ उठाते हुए राज्य में अपनी उपस्थिति स्थापित करने के अवसरों का उल्लेख किया। प्रेस वक्तव्य के अनुसार, मुख्यमंत्री शर्मा ने दो प्रमुख सेमीकंडक्टर कंपनियों एसके हाइनिक्स के उपाध्यक्ष डॉ. जून चोई और सियोल वियोसिस के सीईओ ली यंग जू के साथ अलग-अलग बातचीत की, जहां उन्होंने इस क्षेत्र के लिए असम सरकार के मजबूत नीतिगत समर्थन और -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेशी घुसपैठ को लेकर ममता ने फिर केंद्र पर साधा निशाना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशियो की घुसपैठ को लेकर एक बार फिर से सियासत तेज हो गई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार एक बार फिर से केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करना सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की जिम्मेदारी है। उन्होंने मालदा जिले के लोगों से आग्रह किया कि अगर कोई समस्या है तो वे सीमावर्ती इलाकों में जाने से बचें। मुख्यमंत्री ममता की यह टिप्पणी 18 जनवरी को मालदा जिले में बीएसएफ चौकी के पास भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद आई है। जहां पर दोनों देशों -शेष पृष्ठ दो पर

इसबार भी गणतंत्र दिवस परेड में शामिल नहीं होगी असम की झांकी

गुवाहाटी। असम की झांकी लगातार दूसरे साल नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा नहीं होगी। ऐसा रोटेशन नीति के कारण किया गया है, जो सुनिश्चित करती है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को समय के साथ भाग लेने का मौका मिले। हालांकि, इसे 26 से 31 जनवरी तक लाल किले पर एक विशेष प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष की झांकी का विषय *स्वर्णिम भारत: विरासत और विकास* है, जिसमें दो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों - चराईदेउ मोइदम और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान पर प्रकाश डाला गया है। गणतंत्र दिवस परेड के आयोजन के लिए जिम्मेदार रक्षा मंत्रालय झांकियों के लिए एक सुस्थापित चयन प्रक्रिया का पालन करता है। सभी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों से प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं। कला, संस्कृति, -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

तुर्किये के होटल में तड़के लगी आग, 66 की मौत, 51 लोग झुलसे

अंकारा। तुर्किये के गृह मंत्री ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी तुर्की के एक लोकप्रिय स्की रिसॉर्ट में एक होटल में मंगलवार को आग लगने से कम से कम 66 लोगों की मौत हो गई। अली येरलिकाया ने आगे बताया कि इस आपदा में कम से कम 51 अन्य लोग घायल हुए हैं। गृह मंत्री येरलिकाया ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से कहा कि इस घटना से हम बहुत दुखी हैं। वहीं स्वास्थ्य मंत्री केमल मेमिसोग्लू ने बताया कि घायलों में से कम से कम एक की हालत गंभीर है। अधिकारियों और रिपोर्टों के अनुसार, बोलू प्रांत के कार्तलकाया रिसॉर्ट में 12 मंजिला ग्रैंड कार्तल होटल के रेस्तरां में सुबह करीब 3:30 बजे आग लग गई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। बता दें कि, घटना के दौरान होटल में कुल 234 लोग ठहरे थे। गवर्नर अब्दुल अजीज

छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर पर मुठभेड़ में 27 नक्सली ढेर

अमित शाह बोले- नक्सलवाद को एक और बड़ा झटका

रायपुर/गरियाबंद (हि.स.)। छत्तीसगढ़ और ओडिशा सीमा से लगे गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों के साथ दो दिनों तक चली नक्सलियों की मुठभेड़ मंगलवार की शाम खत्म हो गई। सर्च ऑपरेशन जारी है। सूत्रों के अनुसार छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक 20 नक्ललियों के मारे जानी की पुष्टि की है। इनमें एक करोड़ का इनामी जयराम उर्फ चलपति, सेंट्रल कमेटी का सदस्य मनोज और स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य गड्डू भी शामिल हैं। इस मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ का जवान धर्मेंद्र भोई एवं ओडिशा का जवान डमरू घायल हुए हैं। दोनों रायपुर के नारायणा अस्पताल में इलारत हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गरियाबंद नक्सली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को मिली सफलता पर बधाई दी है। मारे गए नक्सलियों में सेंट्रल कमेटी का सदस्य मनोज ओडिशा राज्य प्रमुख भी था। मनोज पर एक करोड़, तो गड्डू पर 25 लाख रुपए का इनाम था।अन्य नक्सलियों की पहचान की जा रही है। सर्च ऑपरेशन जारी है। ऐसे में माना जा रहा है कि अभी और शव मिल सकते हैं। घटनास्थल से एके 47, एसएलआर, आईएनएसएएस और अन्य स्वचालित हथियार बरामद किए गए हैं। आईजी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

संसार मे सफल और सुखी वही लोग हैं, जिनके अंदर विनय हो और विनय विद्या से ही आती है।

- ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

पश्चिमी विक्षोभ : अगले दो दिन हो सकती है बारिश

नई दिल्ली (हि.स.)। पश्चिमी विक्षोभ के चलते दिल्ली-एनसीआर में बुधवार से एक बार फिर बारिश का दौर शुरू होने वाला है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने दिल्ली-एनसीआर में बारिश के साथ ही घने कोहरे की चेतावनी भी जारी की है। साथ ही हवाओं की रफ्तार भी तेज -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी से डरती है सरकार : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने मंगलवार को भाजपा और राष्ट्रीय स्यंवसेक संघ (आरएसएस) पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस दोनों की विचारधारा कायरों की है। वहीं, कांग्रेस देश के लिए मर-मिटने का विचार रखती है। प्रियंका ने जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि केंद्र सरकार राहुल गांधी से डरती है क्योंकि वो -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति बनते ही ट्रंप ने बदल दिए बाइडेन के 78 फैसले

नई दिल्ली। डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ लेते ही अपने जोशीले भाषण में अमेरिका के भविष्य का खाका खींचकर लोगों के सामने रख दिया। वहीं उन्होंने राष्ट्रपति बनते ही पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के 78 फैसलों को भी एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स के तहत पलट दिया। दरअसल, ट्रंप ने प्रेसिडेंट पद की शपथ लेने के बाद अमेरिकी नीति को बदलने के लिए एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स जारी करने का वादा किया। अमेरिका के नए राष्ट्रपति ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद बाइडेन प्रशासन के कई आदेशों को रद करके नए आदेश लागू करने का काम किया। ये कार्यकारी आदेश यानी एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स कानून की तरह प्रभावी होते हैं। हालांकि इन्हें रोका भी जा सकता है। प्रश्न यह उठता है कि आखिर ये कार्यकारी आदेश यानी एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स क्या होते हैं। रॉयटर्स की खबर के अनुसार, एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स ऐसे आदेश होते हैं जिसे अमेरिकी प्रेसिडेंट अपने प्रभाव से एकतरफा रूप से एक्जीक्यूट कर -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप के शपथ कार्यक्रम में दिखा पन्नू, लगा रहा था खालिस्तान जिंदाबाद का नारा

वाशिंगटन। अमेरिका को डोनाल्ड ट्रंप के रूप में 47वां राष्ट्रपति मिल गया है। सोमवार को ट्रंप ने वॉशिंगटन डीसी स्थित कैपिटल हिल के हॉल में शपथ ग्रहण किया। ट्रंप के शपथ ग्रहण में देश-दुनिया के कई मेहमान और नेता भी शामिल हुए। ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाह होने वाले सेलिब्रेशन कार्यक्रम में भारत का मोस्ट वांटेड खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू भी नजर आया था। दावा किया जा रहा है कि ट्रंप के शपथ ग्रहण के समय पन्नू समारोह स्थल के अंदर नजर आया था और उसे खालिस्तानी नारा भी लगाते हुए देखा गया था। पन्नू ने दावा किया है कि उसे -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर : प्रत्यक्ष बिक्री में 16 प्रतिशत की वृद्धि, असम सबसे आगे

गुवाहाटी। प्रत्यक्ष बिक्री में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पूर्वोत्तर ऊंची उड़ान भरने के लिए तैयार है, क्योंकि सभी आठ बहन राज्यों ने बिक्री में उछाल दर्ज किया है, जो पिछले वर्ष से 255 करोड़ रुपए जोड़कर वर्ष 2022-23 में 1854 करोड़ रुपए को पार कर गया है, भारतीय डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन ने आज यहां आयोजित दूसरे पूर्वोत्तर डायरेक्ट सेलिंग सम्मेलन और एक्सपो में बताया। आईडीएसए ने बताया कि यह क्षेत्र, जो प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग (डीएसआई) के 21,282 करोड़ रुपए के राष्ट्रीय कारोबार का 8.7 प्रतिशत हिस्सा है, 4.2 लाख से अधिक प्रत्यक्ष विक्रेताओं को स्व-आय के अवसर प्रदान करता है, और कहा कि असम, देश का 9वां सबसे बड़ा प्रत्यक्ष बिक्री बाजार है, जो 1,009 करोड़ रुपए की बिक्री, 13 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि और 4.7 प्रतिशत राष्ट्रीय बाजार हिस्सेदारी के साथ शीर्ष पर है, जिसे 2.4 लाख से अधिक प्रत्यक्ष विक्रेताओं का समर्थन प्राप्त है। संयुक्त रूप से, अन्य सात राज्य 845 करोड़ रुपए का योगदान देते हैं: नगालैंड 227 करोड़ रुपए, मिजोरम 156 करोड़ रुपए, अरुणाचल प्रदेश 78 करोड़ रुपए, त्रिपुरा 72 करोड़ रुपए, मेघालय 19 करोड़ रुपए और सिक्किम 5 करोड़ रुपए। मिजोरम (31 प्रतिशत), सिक्किम (25 प्रतिशत), नगालैंड (22.7 प्रतिशत) और मणिपुर (20 प्रतिशत) में उल्लेखनीय वृद्धि दर देखी गई। आईडीएसए ने बताया कि यह उद्योग पूर्वोत्तर राज्यों के खजाने में सालाना लगभग 300 करोड़ रुपए का योगदान देता है, जो क्षेत्र के विकास में इसकी भूमिका को -शेष पृष्ठ दो पर

135 वर्षों में ब्रिटेन ने इंडिया से 5611 लाख करोड़ लूटे

आधी से अधिक संपत्ति सिर्फ 10 प्रतिशत रईस अंग्रेजों में बंटी

नई दिल्ली। अंग्रेजों ने औपनिवेशिक काल में भारत को जमकर लूटा। 1765 से 1900 तक अंग्रेजों ने भारत से 64.82 ट्रिलियन डॉलर यानी 5611 लाख करोड़ रुपए की लूट मचाई थी। यह खुलासा ऑक्सफैम इंटरनेशनल की एक नई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक इसमें से 33.8 ट्रिलियन डॉलर की राशि 10 फीसदी अंग्रेजों में बांटी गई। दावोस में वर्ल्ड इकनोमिक फोरम की सलाना बैठक में इस रिपोर्ट को सार्वजनिक किया गया। ऑक्सफैम इंटरनेशनल ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि अंग्रेजों की इस लूट का असर भारत के औद्योगिक उत्पादन पर पड़ा। वैश्विक औद्योगिक उत्पादन में भारत की हिस्सेदारी 1750 में 25 फीसदी थी, जो 1900 तक गिरकर सिर्फ 2 फीसदी ही बची। इसकी वजह यह भी थी कि ब्रिटेन ने भारतीय कपड़ों के खिलाफ कठोर नीतियों को लागू किया। इससे उत्पादन पर विपरीत असर पड़ा। सिर्फ 135 साल की लूट ने ब्रिटेन में -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

महाकुंभ से संतों ने किया न हिंदू पतितो भवेत् का उद्घोष

महाकुंभनगर (हि.स.)। तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 न सिर्फ धर्म, संस्कृति व अध्यात्म की दृष्टि से महत्वपूर्ण होने जा रहा है, बल्कि सामाजिक समरसता की दिशा में मील का पत्थर साबित होने जा रहा है। महाकुंभ में आयोजित संत समागम में हिस्सा लेने आए देशभर के संतों ने सामाजिक समरसता का संदेश दिया। महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 17 में आयोजित दो दिवसीए अखिल भारतीय संत समागम में देश के सभी प्रान्तों से आए विभिन्न मत पंथ व सम्प्रदायों के पूज्य संतों ने एक स्वर में न हिंदू पतितो भवेत् का उद्घोष किया। संतों ने कहा कि सभी हिंदू भाई हैं। हिंदू कभी अछूत नहीं हो सकता। जातिभेद, विषमता, अस्पृश्यता इनका पालन करना अधर्म है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व विश्व हिंदू परिषद के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में सैकड़ों की उपस्थिति में संतों ने समाज से सामाजिक विषमता को दूर करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डा. कृष्ण गोपाल,संघ के अखिल भारतीय संपर्क प्रमुख रामलाल व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संतों का स्वागत व सम्मान किया। संत समागम को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि हिंदू समाज को तोड़ने के अनेक प्रयत्न हुए। सनातन के अंदर अस्पृश्यता नाम की चीज नहीं थी। 1857 से पहले की कोई भी पुस्तक जातिगत विभाजन से संबंधित नहीं है। उन्होंने कहा कि संतों के बीच भेद बांटे गए। जबकि रामायणा व महाभारत के रचनाकार इसी पृष्ठभूमि से आते हैं। पंजाब से आयीं साध्वी उर्मिला ने कहा कि जाति पांति के चक्कर में न पड़ें। आपस में छिन्न भिन्न रहेंगे तो धर्म को मजबूत नहीं कर पायेंगे। सामाजिक समरसता के लिए आवश्यक है पहले संत अपने मन से भेदभाव को दूर करें तब समाज भी आपका अनुशरण करेगा। संत को सबको एक समान दृष्टि से देखना चाहिए। पंचाब के ही रवींद्र गिरि ने कहा कि अनुसूचित समाज के बंधुओं के बीच गौरवमयी इतिहास का बोध कराने की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता से महान बनेगा भारत। महंत विकास दास ने कहा कि प्रभु श्रीराम ने किसी को छोटा बड़ा नहीं माना। उन्होंने सबको गले लगाया। भक्तों का विश्वास संतों पर होता है। समरसता का रास्ता हम नहीं बतायेंगे तो कौन बतायेगा। पश्चिम बंगाल के जलपाई गुड़ी से आए संत रतन गोंसाई ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सनातन को मिटाने के लिए हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा है। सनातन भाई डर की वजह से मुस्लिम बन रहे है। संत रतन गोंसाई ने कहा कि सामाजिक समरसता से ही भारत महान बन सकता है। तेलांगाना से आए संग्राम महाराज ने कहा कि 80 प्रतिशत अनुसूचित समाज मुसलमान बन गया। क्योंकि संत गण उनके बीच गए नहीं हैं। अधिकांश संत अस्पृश्य जातियों के भक्तों के यहां जाते नहीं हैं। सबके अंदर भगवान हैं तो भेदभाव नहीं करना चाहिए। आज गरीबों का कोई अखाड़ा नहीं है। बंजारा समाज भटका नहीं है।

समाज से भेदभाव को दूर करने का संकल्प लें : डॉ कृष्ण गोपाल

महाकुंभनगर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल ने मंगलवार को सेक्टर 17 में आयोजित संत समागम को संबोधित करते हुए कहा कि महाकुंभ सारे विश्व को अध्यात्म का संदेश देगा। विश्व के लिए यह आदर्श कुम्भ है। इस समय पूरा हिन्दुस्तान महाकुंभ क्षेत्र में बिखरा पड़ा है। प्रयाग की पावन धरती सम्पूर्ण हिन्दुओं को एक सूत्र में गूंथने का काम कर रहा है। कुंभ से एकता, समता, समानता व समरसता का संदेश देने के साथ ही समाज से भेदभाव को समाप्त करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि सारे देश को एकता के सूत्र में बांधने का सामर्थ्य कुंभ रखता है। भारत ऐसा देश है जिसने नदी को मां माना। गंगा की धारा में अमीर गरीब सब लोग स्नान करते हैं।

सीएम ने दी पूर्व मुख्यमंत्री विष्णुराम मेधी को श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री विष्णुराम मेधी को श्रद्धांजलि दी है। अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि विष्णुराम मेधी केवल एक नेता नहीं थे, बल्कि असम की भलाई और सुरक्षा के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले एक सच्चे पुत्र थे। उन्होंने कहा कि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विष्णुराम मेधि के योगदान को सम्मान देने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। आज, उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के लोग इस महान असमिया व्यक्तित्व को सदा याद रखेंगे।

गांजा के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर पुलिस ने गांजा के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर शोणितपुर पुलिस ने तेजपुर थाने के तहत एक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने भालुके खुवा गांव के निवासी मो. दीप हजारिका को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से 3.10 किलोग्राम संदिग्ध गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

आजादी से लेकर अब तक की डिबेट का संकलन हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित होगा : ओम बिरला

पटना (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को बिहार विधानसभा में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में कहा कि देश की आजादी से लेकर अब तक की डिबेट का संकलन हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित होगा। साथ ही 22 भारतीय भाषाओं में इसका अनुवाद भी होगा। लोकसभा अध्यक्ष ने 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) की मदद से साल 1947 से लोकर अबतक के डिबेट का संकलन हिंदी और अंग्रेजी में प्रकाशित करेंगे। भविष्य में उनका 22 भारतीय भाषाओं में अनुवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता की भागीदारी बढ़ाकर विधायी संस्थाओं को मजबूत और प्रभावी बनाना है। ओम बिरला ने कहा कि सम्मेलन में लिए गए निर्णय और संकल्प देश के लोकतंत्र को सशक्त करेंगे। साथ ही जनता के प्रति और जिम्मेदार बनाएंगे। इसी से जनता की अपेक्षाओं को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि देश के सभी राजनीतिक दलों को विधायी निकायों की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करना चाहिए। यह तभी संभव होगा जब राजनीतिक दलों के पास अपने सांसदों के लिए आचार संहिता होगी। सम्मेलन के समापन सत्र में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह, बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव और बिहार विधान परिषद के अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह सहित अन्य लोग शामिल हुए।

No.RDB-69/15th Finance/BTC/2021-22 *Dated Kokrajharthe 20th January, 2025*

NOTICE INVITING TENDER

Tender No.

Sealed tenders with a validity period of 180 (one hundred eighty) days from the date of receipt in prescribed from affixing non-refundable court fee stamps of Rs. 8.25 (Rupees eight and paisa twenty five) only subsequently to be drawn up in printed F-2 form are hereby invited from the Govt. registered **PWD Building), Irrigation, Water Resources, PHE** others Govt. Contractor's under Class-I (A, B, C), Class-II and Class-III category according to tender limit of eligibility for the following works and will be received in the office of the undersigned from 11.00 AM up to 2.00 pm.on 27-01-2025 and will be opened on 17-02-2025at same place at 2.15 pm in the presence of willing contractors or their authorized agents.

Name of Dev. Block	Name of Scheme	Tender Amount (Rs.)	Earnest Money	Cost of Tender in Rs.	Time for completion in days
Rupshi Dev. Block.	"Const. of Community Toilet at Kurshakati Bazar.	Rs. 10,47,960.00	1% for ST, SC, OBC & 2% for others	320.00	3 (Three) Month
Rupshi Dev. Block.	"Const. of Community Toilet at Molandubi Bazar.	Rs. 11,00,000.00	1% for ST, SC, OBC & 2% for others	330.00	3 (Three) Month

Details NIT may be seen in all working days in the office of the undersigned. Tender paper will be issued to the contractors or their authorized agent up to 12.00 Noon on all working days from 23-01-2025 to 27-01-2025in the office of the undersigned on payment of in the form of Banker cheque/ Demand draft of nationalized Bank (Preferable SBI) duly pledged to the BDO, Rupshi Dev. Block**, BTC,Kokrajhar**. The Cost of tender (Non-Refundable) must be in the form of Demand Draft/ Banker Cheque of a Nationalized Bank drawn in favour of the **Principal Secretary, BTC, Kokrajhar** and payable at **SBI, Kokrajhar** to be deposited **0.03%.**

Sd/-
Block Development Officer,
Rupshi Dev. Block, Rupshi

IPR(BTC)-2023-24/1333

पृष्ठ एक का शेष

सीएम ने असम और...

उद्योग को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित टाउनशिप और सेमीकंडक्टर क्लस्टर जैसी आगामी पहलों पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने उन्हें एडवांटेज असम 2.0 का हिस्सा बनने के लिए भी आमंत्रित किया, जो 25 और 26 फरवरी को गुवाहाटी में आयोजित होगा। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने असम और कोरिया के उद्यमियों और उद्योगों के बीच सहयोग के अवसरों पर चर्चा करने के लिए कोरिया गणराज्य सरकार के एसएमई और स्टार्टअप मंत्री ओह यंगजू के साथ बातचीत की और 2030 तक 3,000 मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा व्यवस्था के असम के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाओं का पता लगाने के लिए जीएस समूह के उपाध्यक्ष यंग हा रयू के साथ बातचीत की। मुख्यमंत्री शर्मा ने कोरिया की अपनी सिलिकॉन वैली, सियोल में स्थित पैंग्यो टेक्नो वैली में स्टार्टअप कैंपस का दौरा भी किया, ताकि एक ही छत के नीचे आईटी, बायोटेक आदि के विविध क्षेत्रों से कोरियाई स्टार्टअप के नवाचारों का पता लगाया जा सके। विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री टेक्नो वैली में पारिस्थितिकी तंत्र से प्रभावित हुए और उन्होंने असम और टेक्नो वैली के उद्यमियों और स्टार्टअप के बीच सहयोग स्थापित करने की मंशा व्यक्त की और इस पर जल्द ही एक समझौता किया जाएगा। उन्होंने वहां उपस्थित भारतीय उद्यमियों से भी मुलाकात की और उनसे बातचीत की। इसके अलावा, बयान में कहा गया कि पिछले दो दिनों में सीएम शर्मा की बैठकें बहुत ही उत्पादक रही हैं और इससे एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन और असम में मौजूद संभावनाओं के लिए कोरियाई व्यापार जगत के नेताओं में गहरी दिलचस्पी और उत्साह पैदा हुआ है। विज्ञप्ति में यह भी कहा गया है कि सीएम शर्मा अपनी यात्रा के दूसरे चरण की शुरुआत करने के लिए शाम को टोक्यो, जापान जाएंगे, जहां वे मेगा शिखर सम्मेलन से पहले जापानी उद्योग के नेताओं के साथ विचार-विमर्श करेंगे।

बांग्लादेशी घुसपैठ को ...

के किसानों के बीच हुआ विवाद झड़प में बदल गया था। बता दें कि, बंगाल का मालदा जिला बांग्लादेश के साथ सीमा साझा करता है। ममता बनर्जी ने मालदा जिले में एक बैठक को संबोधित करते हुए स्थानीय लोगों से आग्रह किया कि अगर कोई समस्या है तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों में न जाएं। उन्होंने कहा कि सीमा की सुरक्षा करना बीएसएफ का कर्तव्य है। मैं लोगों से आग्रह करती हूं कि अगर उन्हें कोई समस्या दिखे तो वे सीमावर्ती क्षेत्रों में न जाएं। बनर्जी ने जिला प्रशासन और स्थानीय लोगों से उन लोगों पर नजर रखने का भी आग्रह किया, जो भारत में घुसने की कोशिश कर रहे हैं या गलत इरादे से होटल के कमरों में ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि बांग्लादेश के साथ हमारे रिश्ते बेहतर होंगे। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में राज्य सचिवालय में एक प्रशासनिक समीक्षा बैठक के दौरान सीमा सुरक्षा बल पर बांग्लादेश से घुसपैठ को अनुमति देने का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि राज्य को अस्थिर करने के लिए केंद्र सरकार के ब्लूप्रिंट के हिस्से के रूप में ऐसा किया जा रहा है। ममता के आरोपों का खंडन करते हुए केंद्रीय अर्धसैनिक बल ने कहा था कि वह देश की सीमा की पूरी लगन से रक्षा करता है।

इसबार भी गणतंत्र ...

चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, वास्तुकला और नृत्यकला जैसे क्षेत्रों के पेशेवरों से बनी एक विशेषज्ञ समिति इन प्रस्तावों का मूल्यांकन करती है। तालिका के लिए विचार किए जाने वाले मुख्य पहलुओं में वैचारिक विशिष्टता, रचनात्मक अभिव्यक्ति और विरासत और विकास के बीच संतुलन शामिल हैं। समय की कमी के कारण, सभी राज्यों को प्रत्येक वर्ष शामिल नहीं किया जा सकता, जिसके कारण रोटेशन नीति का कार्यान्वयन करना पड़ता है। असम की झांकी के 2026 की परेड में वापस आने की उम्मीद है। लाल किला प्रदर्शनी में आगंतुकों को असम के सांस्कृतिक प्रतीकों जैसे जोराई और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के एक सींग वाले गैंडे के बारे में जानने का भी मौका मिलेगा। इसके अतिरिक्त, भारत के नौ शास्त्रीय नृत्य रूपों में से एक, सत्रिया का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़-ओडिशा बॉर्डर ...

रायपुर जोन अमरेश मिश्रा ने बताया कि यह मुठभेड़ रविवार रात से मंगलवार तक जारी रही। इसमें एक हजार 1000 सुरक्षा बल के जवानों ने 60 नक्सलियों को घेरा था। छत्तीसगढ़ और ओडिशा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली है। यह नक्सल ऑपरेशन गरियाबंद पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ,ओडिशा के नुआपाड़ा पुलिस अधीक्षक राघवेंद्र गुंडाला, ओडिशा डीआईजी (नक्सल ऑपरेशन) अखिलेश्वर सिंह और कोबरा कमाडेंट डीएस की देख रेख में चल रहा है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर भी मुठभेड़ हुई थी, जिसमें 18 नक्सली मारे गए थे। उधर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), विशेष अभियान समूह (एसओजी) ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त अभियान में 16 नक्सलियों को मार गिराया गया, जो नक्सलवाद पर एक और बड़ा प्रहार है। शाह ने कहा कि *नक्सल मुक्त भारत* के संकल्प और सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों से नक्सलवाद आज अंतिम सांस ले रहा है। शाह ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर लिखा कि नक्सलवाद को एक और करारा झटका। हमारे सुरक्षा बलों ने नक्सल मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में बड़ी सफलता हासिल की है। सीआरपीएफ, एसओजी ओडिशा और छत्तीसगढ़ पुलिस ने ओडिशा-छत्तीसगढ़ सीमा पर एक संयुक्त अभियान में 14 नक्सलियों को मार गिराया। ओडिशा पुलिस ने एक बयान में कहा कि चल रहे संयुक्त अंतर-राज्यीय अभियान के दौरान देर रात और सुबह के समय एसओजी (विशेष अभियान समूह) टीम के साथ मुठभेड़ में 14 और माओवादी मारे गए। अधिकारी ने बताया कि ओडिशा के नुआपाड़ा जिले की सीमा से महज 5 किलोमीटर दूर छत्तीसगढ़ के कुलारीघाट रिजर्व फॉरेस्ट में संयुक्त अभियान में मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। माओवादियों के हताहत होने वालों की संख्या बढ़ सकती है। भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है। इस बीच छत्तीसगढ़ के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इसी अभियान के दौरान सोमवार को मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गई थीं और सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हो गया था। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर मैनपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक जंगल में सोमवार देर रात और मंगलवार सुबह मुठभेड़ हुई, जिसमें 14 और माओवादी मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और ओड़िशा से विशेष अभियान दल (एसओजी) के का एक संयुक्त दल अभियान में शामिल है। उन्होंने बताया कि ओडिशा के नुआपाड़ा जिले की सीमा से लगभग पांच किलोमीटर दूर छत्तीसगढ़ के कुलारीघाट रिजर्व वन में बड़ी संख्या में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर 19 जनवरी की रात को अभियान शुरू किया गया था।

राहुल गांधी से डरती...

संविधान की लड़ाई लड़ रहे हैं। कर्नाटक के बेलगावी में प्रियंका गांधी ने कहा, संविधान कोई किताब नहीं है बल्कि जनता का सुरक्षा कवच है। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने इसमें लोकतंत्र की सुरक्षा समाहित की है। बाबासाहेब सामाजिक न्याय और अधिकार के प्रतीक हैं। बहुत सरकारें आईं और गईं लेकिन कोई ऐसी सरकार नहीं आई जिसके गृह मंत्री ने संसद में बाबासाहेब का अपमान किया हो। प्रियंका गांधी ने कहा कि क्या कोई सोच सकता था कि आजादी के इतने साल बाद ये कहा जाएगा कि देश को 1947 में स्वतंत्रता नहीं मिली। आरएसएस की विचारधारा ने संविधान के निर्माण के समय भी अपमान किया। इस विचारधारा ने संविधान के खिलाफ अभियान चलाया था। देश के गृह मंत्री ने बाबासाहेब और लोकतंत्र का अपमान किया है। आजादी के लिए बलिदान देने वालों का अपमान किया है। कांग्रेस सांसद ने कहा, जब बाबासाहेब ने महिलाओं के अधिकारों की बात की थी तब आरएसएस के लोगों ने उनके पुतले जलाए थे। भाजपा इसी विचारधारा से उपजी है। यही वजह है कि भाजपा के लोग संविधान का अपमान कर रहे हैं। ये सरकार रोज संविधान पर हमला करती है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में देश की जनता ने भाजपा को सबक सिखाया। मोदी जी घबरा गए। जब चुनाव के बाद संसद में गए तो संविधान को माथे से लगाया। वहीं राहुल गांधी रोज संविधान के लिए लड़ते हैं। वो इसके लिए जान देने के लिए तैयार हैं। इसीलिए ये सरकार राहुल गांधी से डरती है। उनको देखकर कांपती है। उनके खिलाफ कई मामले दर्ज करा दिए हैं।

राष्ट्रपति बनते ही ...

सकते हैं। यह कानून के समान ही प्रभावी होते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल में भी कई एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स जारी किए थे। पहले कार्यकाल में उन्होंने 220 कार्यकारी आदेश जारी किए थे। पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर के बाद यह आदेशों को जारी करने की सबसे ज्यादा संख्या थी। जो बाइडेन की बात करें तो उन्होंने अपने 20 जनवरी तक के कार्यकाल में 155 कार्यकारी आदेश जारी किए। अमेरिकी प्रेसिडेंट जब कार्यकारी आदेश पर दस्तखत कर देता है तो इसके बाद यह प्रभावी हो जाता है। यह तुरंत भी प्रभावी हो सकता है और कई महीने बाद भी प्रभावी हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर है कि इसे एक फेडरल एजेंसी से औपचारिक कार्रवाई की आवश्यकता है या नहीं? जैसे कि ट्रंप ने मुस्लिमों की यात्रा पर बैन लगाया था, तो यह आदेश त्वरित रूप से अस्तित्व में आ गया था। अमेरिका में डेमोक्रेसी सबसे पुरानी है। इस लिहाज से साल 1789 से एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स का ट्रैंड शुरू हुआ था। यहां ऐसा नियम है कि हर प्रेसिडेंट अपने कार्यकाल के दौरान कम से कम एक बार एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स जारी कर सकता है। एक अनुमान के अनुसार अब तक 13 हजार से ज्यादा एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स जारी हो चुके हैं। कांग्रेस और उनकी संघीय कोर्ट इन एक्जीक्यूटिव ऑर्डर्स को रद कर सकती हैं। साल 2023 में कोरोना के टीके को लेकर जो बाइडेन ने आदेश जारी किया था। इसके अनुसार सभी को ये वैक्सीन लगवाना अनिवार्य था। हालांकि इस आर्डर को अदालत ने यह मानकर रद कर दिया था कि यह आदेश से लोगों के अधिकारों का उल्लंघन है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनते ही अमेरिका के स्वर्णिम युग की शुरुआत का आगाज करते हुए यह दर्शाया कि अब अमेरिका अपने हितों को सर्वोपरि रखेगा। दुनिया के युद्धों में खुद को उलझाने से बचेगा। अपने जोशीले भाषण में उन्होंने अमेरिका हित से जुड़े कई मुद्दों पर बात कही। इसके बाद वे ओवल ऑफिस पहुंचे और कई एक्जीक्यूटिव आदेशों पर दस्तखत किए। उन्होंने डब्ल्यूएचओ यानी विश्व स्वास्थ्य संगठन से खुद को अलग रखने का आदेश भी साइन किया। इसकी वजह स्वास्थ्य संगठन का चीन की ओर झुकाव और कोरोना के दौरान स्वास्थ्य संगठन की विफलता को कारण बताया गया है। उन्होंने बाइडेन सरकार के 78 फैसलों को भी रद कर दिया।

ट्रंप के शपथ कार्यक्रम ...

ट्रंप गुट ने आमंत्रित किया था। वहीं, सूत्रों ने दावा किया है कि पन्नू ने एक अपने संपर्क के जरिए टिकट खरीदा था। जिसके बाद वो ट्रंप के आधिकारिक समारोह में प्रवेश किया। इतने हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में पन्नू की उपस्थिति भारत के विदेश मंत्री डॉ। एस जयशंकर के साथ-साथ कार्यक्रम स्थल पर मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों के लिए सुरक्षा चिंताएं बढ़ाती है। पिछले साल अमेरिका ने भारत के पूर्व अधिकारी खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की *हत्या की साजिश रचने* का आरोप लगाया था। अमेरिका ने आरोप लगाया था कि पूर्व भारतीय अधिकारी ने न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश रची थी। इसके लिए भाड़े के शूटर की हायरिंग की गई थी। इसके साथ-साथ अमेरिका ने पूर्व भारतीय अधिकारी पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप भी लगाया था। अमेरिका ने विकास यादव का नाम पन्नू की हत्या के असफल प्रयास के संबंध में लिया था। पन्नू के पास अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता है। बताया जाता है कि विकास यादव भारत की खुफिया एजेंसी रॉ का पूर्व अधिकारी है। हाल ही में गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी करते हुए कहा था कि मामले की लंबी जांच के बाद एक व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की गई है। जांच में इसके पिछले आपराधिक संबंध और पृष्ठभूमि भी सामने आई थी। हालांकि, भारत सरकार ने ऐसे किसी व्यक्ति का नाम बताया जिसके खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है।

पूर्वोत्तर : प्रत्यक्ष बिक्री...

मजबूत करता है। असम सरकार की उपभोक्ता मामले सचिव अनसुआ दत्ता बरुआ ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि नियमों के तहत प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के लिए अनुकूल वातावरण बनाते हुए, राज्य उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उन्होंने अपने विभाग की ओर से उद्योग को हर संभव मदद की पेशकश की, जिसमें उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष बिक्री) नियम 2021 के अनुपालन में गठित निगरानी समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में आईडीएसए भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए एक प्रभावी तंत्र बनाने की दिशा में काम कर रही है कि कंपनियां प्रत्यक्ष बिक्री नियमों का पालन करें। प्राइड ईस्ट एंटरटेनमेंट की अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक रिनिकी भुयान शर्मा ने समाज और राष्ट्रीय विकास में महिलाओं के योगदान की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाओं ने घर के पारंपरिक दायरे से बाहर निकलकर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। डायरेक्ट सेलिंग सेक्टर में महिलाओं की उद्यमशीलता की भावना पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने अपनी उपलब्धियों के माध्यम से प्रेरक उदाहरण स्थापित करने की उनकी क्षमता की प्रशंसा की। श्रीमती शर्मा ने इस कार्यक्रम में सम्मानित महिलाओं को बधाई दी और इस तरह की पहल के आयोजन के लिए आईडीएसए की सराहना की, जो दूसरों को इस परिवर्तनकारी यात्रा में शामिल होने के लिए प्रेरित करती है। आईडीएसए के चेयरमैन विवेक कटोच ने कहा कि डीएसआई के लिए पूर्वोत्तर प्रमुख और प्राथमिकता वाले बाजारों में से एक बना हुआ है। विकास के आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि यह नए क्षितिज के लिए तैयार है, जो प्रत्यक्ष विक्रेताओं की अथक मेहनत की पुष्टि करता है। राष्ट्रीय स्तर पर 12 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ रहे इस उद्योग ने लगभग 86 लाख भारतीयों को स्वरोजगार प्रदान किया है। आईडीएसए सदस्य कंपनियां उपभोक्ताओं के हितों के साथ-साथ क्षेत्र में 4.2 लाख से अधिक प्रत्यक्ष विक्रेताओं के हितों की सफलतापूर्वक रक्षा करने का दावा आत्मविश्वास से कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि असम सहित दस राज्यों ने अब तक नियमों के अनुरूप निगरानी समितियां स्थापित की हैं। अन्य राज्य भी इसका अनुसरण करेंगे। दिन भर चले इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के नेताओं, विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं द्वारा उद्योग विकास, नियामक ढांचे, उपभोक्ता जागरूकता, सुधार, नीति वकालत और प्रत्यक्ष बिक्री के अवसरों के माध्यम से महिलाओं और युवाओं के सशक्तिकरण के लिए इंटरैक्टिव सत्रों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-मंथन किया गया। इसमें प्रत्यक्ष बिक्री में उपलब्धियों के लिए क्षेत्र की 45 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया गया, पारंपरिक पूर्वोत्तर परिधान में उत्पाद रैम्प वॉक किया गया तथा प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के नवाचारों और विविधता को प्रदर्शित करने वाली एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आईडीएसए के सचिव रजत बनर्जी, विभिन्न सदस्य कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और फिटनेस एवं पोषण प्रशिक्षक सुश्री रुचि भारद्वाज बरुआ सहित गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष विक्रेता उपस्थित थे। भारतीय प्रत्यक्ष बिक्री संघ (आईडीएसए) भारत में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के लिए एक स्वायत्त, स्व-नियामक निकाय है। यह संघ उद्योग और सरकार के नीति-निर्माण निकायों के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य करता है, जो देश में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के हितों को सुविधाजनक बनाता है। आईडीएसए पिछले दो दशकों से भारत में प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रतिष्ठित वैश्विक संस्था, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डायरेक्ट सेलिंग एसोसिएशन (डब्ल्यूएफडीएसए) के सदस्य के रूप में, जो 170 देशों में 60 से अधिक राष्ट्रीय संघों का प्रतिनिधित्व करता है, आईडीएसए ने प्रगतिशील सुधारों की वकालत करने और उद्योग के विकास के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आईडीएसए नीतिगत मुद्दों पर सरकार के साथ मिलकर काम करके, दक्षता बढ़ाकर और प्रत्यक्ष बिक्री में वांछित विश्वसनीयता, स्पष्टता और आत्मविश्वास लाकर बदलाव को गति देता है।

135 वर्षों में ब्रिटेन...

अंग्रेजों की कई पीढ़ियों को अमीर बना दिया है। अंग्रेजों ने भारत से कितनी संपत्ति लूटी है? इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि अगर कुल भारतीय संपत्ति को 50 ब्रिटिश पाउंड के नोट में विभाजित किया जाए और इसके बाद इन्हें जमीन पर बिछाया जाए तो पूरे लंदन शहर को चार बार ढका जा सकता है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि 10 फीसदी अंग्रेजों के पास सबसे अधिक संपत्ति पहुंची है। मगर ब्रिटेन के मध्यम वर्ग को भी इसका लाभ पहुंचा है। लगभग 32 फीसदी धन मध्यम वर्ग तक पहुंचा है। रिपोर्ट में अंग्रेजों की क्रूरता का भी खुलासा हुआ है। 1891 से 1920 के मध्य औपनिवेशिक नीतियों की वजह से भारत को अकाल, बीमारी और गरीबी का सामना करना पड़ा। इस वजह से 5.9 करोड़ मौतें भी हुई हैं। सबसे भयानक तस्वीर 1943 में बंगाल में अकाल के दौरान देखने को मिली। अकाल से लगभग 30 लाख लोगों की जानें गई थीं। ऑक्सफैम की रिपोर्ट ने वैश्विक असमानता को भी उजागर किया है। इसमें कहा गया कि ग्लोबल साउथ में मजदूरी ग्लोबल नॉर्थ की तुलना में समान काम के मुकाबले 87-95 फीसद तक कम है।

पश्चिमी विक्षोभ : अगले ...

रहने वाली है जिससे तापमान में गिरावट आएगी। मंगलवार को बढ़िया धूप पूरे दिन रही और तापमान भी सामान्य से अधिक बना रहा। दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 3.7 अधिक 24.0 डिग्री व न्यूनतम तापमान सामान्य से 3.1 अधिक 10.6 दर्ज किया गया। लेकिन हवाएं पूरे दिन 12-14 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलती रहीं। आईएमडी के आंकड़ों के अनुसार सर्वाधिक अधिकतम तापमान रिज क्षेत्र का सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। रिज क्षेत्र का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.1 अधिक 24.2 डिग्री रहा जबकि आयानगर का तापमान सामान्य से 3.6, लोधी रोड का 3.0 व पालम का 1.3 अधिक रहा। आईएमडी ने बुधवार के लिए *पीली चेतावनी* जारी करते हुए पूरे दिन कोहरा व धूंध छाए रहने के साथ एक से दो बार हल्की से मध्यम बारिश गरज के साथ होने के संकेत दिए हैं। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को सुबह से ही तेज रफ्तार से चलने वाली हवाओं ने प्रदूषण स्तर में कुछ सुधार तो किया लेकिन अभी भी वायु गुणवत्ता *खराब श्रेणी* में ही बनी हुई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में मंगलवार सुबह नौ बजे के लगभग वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 289 दर्ज किया गया, जो शाम 6 बजे घटकर 284 रहा।

वशिष्ठ प्रेस क्लब चोरी मामले में महिला समेत चार गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने वशिष्ठ प्रेस क्लब में हुई चोरी मामले में शामिल चार चोरों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक महिला चोर भी शामिल है। पुलिस ने मंगलवार को बताया चोरी की घटना की जानकारी मिलते ही 12 घंटे से भी कम समय में बशिष्ठ थाना की एक ईजीपीडी टीम ने सफीकुल इस्लाम (34), इनामुल अली (19) और मिनारज अली (19) को गिरफ्तार करने के बाद बशिष्ठ प्रेस क्लब में हुई चोरी के मामले की गुत्थी को सुलझा लिया। पुलिस ने चोरी का समान रिसीव करने वाली महिला आरोपी आसमा खातून (55) को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने एक टूटा हुआ एसी, एक वोल्टाज एसी कूलर फ्रेम, चार छोटे स्पीकर के साथ एक इंटेल साउंड बॉक्स, एक ओनिडा एसी, तांबे के तार के दो रोल, अपराध को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किया गया एक रिक्शा और 5,400 रुपये नकद बरामद किया है। चोरी के दौरान उपयोग किए गए रिंच, प्लायर, पेंचकस, हथौड़ा, इलेक्ट्रिक कटर मशीन जैसे उपकरण जब्त कर लिए गए। पुलिस दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार सभी आरोपियों से सघन पूछताछ कर रही है।

असम, मेघालय और पश्चिम बंगाल में 4.1 तीव्रता का भूकंप

शिलांग (हिंस)। मेघालय के साउथ वेस्ट खासी हिल्स इलाके में मंगलवार दोपहर को भूकंप के झटका महसूस किया गया। इस भूकंप की तीव्रता 4.1 तीव्रता रही। मेघालय के अलावा असम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए हैं। इससे किसीतरह के नुकसान की सूचना फिलहाल नही है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, के साउथ वेस्ट खासी हिल्स इलाके में दोपहर 12 बजकर 34 मिनट 02 सेकेंड पर आए इस भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार भूकंप का एपीक सेंटर मेघालय के साउथ वेस्ट खासी हिल्स जिले में 25.34 उत्तरी अक्षांश तथा 91.17 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। मेघालय के अलावा असम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए हैं। जिससे लोगों में क्षणिक भय का माहौल बन गया और लोग घरों से बाहर निकल आये। भूकंप से अब तक किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। हालांकि, अधिकारियों ने संभावित आफ्टरशॉक्स के मद्देनजर सतर्क रहने की सलाह दी है।

भारत-म्यांमार सीमा पर एसओआरईपीए के चार कैडर गिरफ्तार

इंफाल (हिंस)। सुरक्षा बलों ने भारत-म्यांमार सीमा पर एसओआरईपीए के चार कैडर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि तेंग्नौपाल जिले के मोरेह थाना क्षेत्र के अंतर्गत भारत-म्यांमार सीमा स्तंभ 79 (पांगल बस्ती) के पास सुरक्षा बलों को यह कामयाबी मिली। चारों के पास से एक स्मार्टफोन और तीन सिम कार्ड बरामद हुए। गिरफ्तार कैडरों की पहचान लाइशंगथेम सोमोरजीत सिंह उर्फ लेंबा (34), पेबम मालेमंगनबा सिंह उर्फ लामंगनबा (18), लाइशराम नेल्सन सिंह उर्फ फिरेपा (22) और निंगथौजम मिलन मैतेई उर्फ खंबा (25) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

ऑपरेशन प्रघात के तहत असम एसटीएफ ने कट्टरपंथियों के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने *ऑपरेशन प्रघात* के तहत एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए वांछित जिहादी और इस्लामी चरमपंथी अजीबर रहमान (31) को गिरफ्तार किया है। अजीबर रहमान धुबड़ी जिले के चानमारी गांव का निवासी है। जांच के दौरान सामने आया कि एसटीएफ ने असम पीएस केस नंबर 21/2024 के तहत अब तक 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है, जिनमें बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल हैं। ये सभी मो. फरहान इसराक के निर्देश पर काम कर रहे थे, जो अंसारुल्ला बांग्ला टीम के प्रमुख जसीमुद्दीन रहमानी के करीबी सहयोगी हैं। इन अभियुक्तों ने भारत में बांग्लादेशी नागरिक मो. साद रदी उर्फ शब शेख को भेजा था, जिसका उद्देश्य भारत के विभिन्न हिस्सों में अपनी विचारधारा फैलाना था। जांच में यह भी पाया गया कि उनकी गतिविधियां देश की सुरक्षा और संप्रभुता को अस्थिर करने के लिए उग्रवादी समूहों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ावा देने के इरादे से आयोजित की गई थीं। अब तक कुल 14 जिहादी/इस्लामी चरमपंथियों को गिरफ्तार किया गया है। इस नेटवर्क का पूरा खुलासा करने के लिए जांच जारी है।

गौहाटी हाईकोर्ट के दो जस्टिसों को चीफ जस्टिस ने दिलाई शपथ

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश कार्डक एटे और अतिरिक्त न्यायाधीश मृदुल कुमार कलिता ने आज हाई कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश के कोर्ट कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश विजय विष्णोई ने दोनों जस्टिसों को शपथ दिलाई।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम

गुवाहाटी (हिंस)। भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत *मेरा भारत* नेहरू युवा केंद्र संगठन ने पूरे देश में 17 से 23 जनवरी तक शुरू किए गए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह में युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को गुवाहाटी के भंगागढ़, गणेशगुड़ी, दिसपुर छहमाइल, भरलुमुख, मालीगांव, आदाबाड़ी, बशिष्ठ, खानापाड़ा, गरचुक, शिलपुखरी, नूनमाटी, आर्य नगर, नारंगी और पलटन बाजार इलाकों में 500 स्वयंसेवक, एनसीसी कैडेट और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने जागरूकता अभियान चलाया। हाथों में बैनर, प्रचार पुस्तिका लेकर आकर्षक नुक्कड़ नाटक के जरिए पैदल राहगीर व यात्री, वाहन चालकों, कंडक्टरों, यात्रियों के साथ-साथ रिक्शा चालकों, ऑटो चालकों और मोटरसाइकिल चालकों सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया। साथ-साथ सभी को यातायात सुरक्षा, यातायात कानूनों के विभिन्न पहलुओं,

सड़क सुरक्षा, नियंत्रित गति पर वाहन चलाना, यातायात संकेतों का पालन के बारे में जानकारी दी गई। दोपहिया वाहन चालकों एवं सवारों द्वारा हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहनों के चालकों एवं यात्रियों से सीट बेल्ट लगाने, चालकों से नशे की हालत में वाहन न चलाने, चालकों से वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने का आग्रह किया गया। सड़क सुरक्षा ही जीवन सुरक्षा की नीति अपनाकर दुर्घटना मुक्त राज्य बनाने का आह्वान किया गया। गुवाहाटी नगर निगम की 31 नंबर वार्ड की पार्षद रत्ना सिंह और लेखाकार और कार्यक्रम निरीक्षक जीवन चंद्र दलै उपस्थित रहकर जनता को जागरूक करने के साथ-साथ स्वयंसेवकों को उत्साहित किया। नेहरू युवा केंद्र, कामरूप महानगर जिला युवा अधिकारी शयन शुक्लबैद ने जनता से सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आगामी 23 जनवरी तक समान रूप से और कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नगरबेड़ा : योगीपाड़ा में वन सुरक्षा बल का अलग-अलग क्षेत्रों में चला छापामारी अभियान

नगरबेड़ा (विभास)। वन विभाग की एक टीम ने पश्चिम कामरूप वन प्रभाग के तहत नगरबेड़ा नदी रिजर्व वन अधिकारी के कार्यालय के तहत पलाहरतरी और योगीपाड़ा में अलग-अलग छापे मारे और अवैध रूप से परिवहन की गई रेत से लदी डंपर एस 25एफसी 5131 गाड़ी को जब्त कर लिया। खबरों के मुताबिक, पश्चिम कामरूप वन प्रभाग के वन संरक्षण बल के सोबिन चंद्र दास के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में योगीपाड़ा से रेत से भरा एक डंपर जब्त किया गया। इसके अलावा, वन सुरक्षा बलों ने एक छापे में पलहरतरी की गुलीरभिटा से अवैध रूप से कटी हुई जेसीबी नंबर एम एल 13-2498 और बीना नंबर के एक ट्रैक्टर भी जब्त किए। बताया जा रहा है कि जब्त किए गए वाहनों को नगरबेड़ा स्थित वन विभाग के कार्यालय ले जाया गया है।

अभाविप के *एसईआईएल* कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आज

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर क्षेत्र के 250 आदिवासी छात्र-छात्राओं को शामिल कर अभाविप के स्टूडेंट एक्सपीरियंस इन इंटर स्टेट लिविंग (एसईआईएल) कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आगामी बुधवार को आयोजित होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य है पूर्वोत्तर भारत और देश के अन्य हिस्सों के बीच संबंधों को मजबूत करना और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना। उद्घाटन समारोह गुवाहाटी के काहिकुची स्थित एसआईपीआरडी संस्थान में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन के बाद, छात्र-छात्राओं को आठ समूहों में बांटकर 23 जनवरी से 12 फरवरी तक भारत के विभिन्न हिस्सों में शैक्षिक यात्रा पर भेजा जाएगा। यात्रा के बाद 13 फरवरी को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

मंत्री उर्खाओ गौरा ब्रह्म ने चिरांग में गुणोत्सव 2025 के लिए स्कूलों का किया दौरा

विकसित भारत समाचार

चिरांग। बहुप्रतीक्षित गुणोत्सव 2025, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से एक राज्यव्यापी शिक्षा सुधार पहल, 20 जनवरी को चिरांग जिले में शुरू हुई। यह पहल 22 जनवरी तक चलेगी और इसमें जिले भर के 915 स्कूल शामिल होंगे, जिसमें 64,677 से अधिक छात्र इस परिवर्तनकारी प्रक्रिया में भाग लेंगे। दूसरे दिन, बोड़ोलैंड विभाग के हथकरघा, कपड़ा और रेशम उत्पादन, मृदा संरक्षण और कल्याण मंत्री और चिरांग के संरक्षक मंत्री उरखाओ ग्वारा ब्रह्म ने छात्रों और शिक्षकों से जुड़ने के लिए बोरोबाजार एचएस स्कूल, बोरोबाजार केजीवीबी और चरगांव एमईएस स्कूलों का दौरा किया। मंत्री ब्रह्म के साथ चिरांग के जिला आयुक्त जतिन बोरा और एडीसी प्रभारी बिजनी (सी) कृति चाचरा भी थे, जिन्होंने इस पहल का समर्थन करने के लिए स्कूलों का दौरा किया।

रंगिया पुलिस ने अवैध गोमांस समेत 18 तस्करी की गायें जब्त की

रंगिया (निसं)। रंगिया में अवैध गोमांस की तस्करी। पुलिस ने 18 क्विंटल गोमांस के साथ 18 तस्करी की गई गायों को जब्त किया। यह ऑपरेशन बनगांव, रंगिया में रिदुल अली के घर पर रंगिया पुलिस द्वारा हाजो और कमलपुर पुलिस की मदद से किया गया। ये गायें कामरूप के विभिन्न हिस्सों से चुराई गई थीं। मालिक ने अपनी गायों की बाड़े की पहचान की है। साथ ही सड़क के किनारे से चुराई गई गायों की भी पहचान की गई। रिदुल अली सहित परिवार के अन्य सदस्य पुलिस छापे की खबर पाने के बाद से भाग गए। पुलिस ने रिदुल अली के घर से गोमांस, धारदार हथियार, चाकू और तीन गायों की खाल और मांस भी जब्त किया। लंबे समय से, रिदुल अली इस अवैध गोमांस व्यापार को तस्करी की गई गायों के साथ चला रहा था। पुलिस द्वारा रिदुल अली को कई बार जेल भेजने के बावजूद, रिदुल ने फिर से तस्करी करना जारी रखा।

मणिपुर के चुराचांदपुर में हथियार और विस्फोटक बरामद

चुराचांदपुर (हिंस)। चुराचांदपुर जिले के तोरबुंग स्थित पीके पार्क क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। बरामद सामग्रीं में एक 9 एमएम सब मशीन गन और मैगजीन, एक .303 राइफल और मैगजीन, एक स्मोक ग्रेनेड लांचर, दो पिस्तौल और मैगजीन, एक सिंगल बैरल ब्रेच लोडेड गन, एक देशी मोर्टार (पॉम्पी), चार हैंड ग्रेनेड (बिना डेटोनेटर), चार स्मोक ग्रेनेड तथा पांच 9 एमएम गोलियां शामिल हैं। इस संबंध में चुराचांदपुर थाना र में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

होजाई जिला नौ-खूंटी वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन की शाखा का गठन

होजाई (निसं)। होजाई जिला के नौ-खूंटी, उदाली, सार्के गांव, मोजादार गांव व खिरिंग-खिरिंग आदि बृहत्तर अंचल के वरिष्ठ लोगों को एक साथ लेकर 19 जनवरी 2025 को नो-खूंटी आंचलिक वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन नामक एक शाखा का गठन किया गया। स्थानीय नो-खूंटी गांव पंचायत भवन में अवसर प्राप्त प्रधानशिक्षक अब्दुल मतालिव की अध्यक्षता में आयोजित सभा में उत्त अंचल के लगभग अस्सी वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे। वहीं सभा में होजाई जिला वरिष्ठ-नागरिक सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. गुणेश्वर सईकिया, मुख्य अतिथि व जिला सचिव अनुप कुमार बरठाकुर मुख्या वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। सभा में वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न समस्याओं व उनके समाधान पर

विचार विमर्श हुआ। सभा में सरकार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु %जारी विभिन्न योजनाओं के वारे में उपस्थित वरिष्ठजनों को विस्तार से अवगत कराया गया। सभा में जिला पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. रामशूल हक, व दयानन्द नेऊग ने वरिष्ठ लोगों से आह्वान किया कि हमसबों को मिलकर वरिष्ठ लोगों के कल्याण हेतू उत्त संस्था को सुदृढ करना होगा। तत्पश्चात आपसी विचार विमर्श के वाद नो-खूंटी आंचलिक वरिष्ठ नागरिग सम्मेलन का गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष- जाफर उलाहक, कार्यकारी अध्यक्ष-वतुमियां बड़भुइयां, सचिव-सिराजुल हक, सह-सचिव-बदरुल इस्लाम, सांगठनिक सचिव जलालुद्दीन, कोषाध्यक्ष अब्दुल जलिल को लेकर इक्कीस सदस्ययी कार्यकारिणी का गठन किया गया। सभा के बाद सदस्यता अभियान प्रारंभ हुआ।

भगवान आदिनाथ निर्वाणोत्सव दो फरवरी को

गुवाहाटी। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पूर्वोत्तर की सकल दिगम्बर जैन समाज का एकमात्र सूर्योदय अहिंसा दिगम्बर जैन तीर्थ, सूर्यपहाड़ पर आगामी रविवार 02 फरवरी को भगवान आदिनाथ निर्वाणोत्सव विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर झंडारोहण के पश्चात त्रिमूर्ती तथा चौबीसी में विराजित भगवान आदिनाथ की वेदी के समक्ष श्रीजी का अभिषेक- शांतिधारा, विधान, निर्वाण लाडू एवं आरती आदि कार्यक्रमों को पुण्यार्जक परिवारों द्वारा संपादित किया जाएगा। कार्यक्रम में अल्पाहार एवं वात्सल्य भोजन की समुचित व्यवस्था आनंद कुमार-रत्न प्रभा सेठी, गुवाहाटी द्वारा की गई है। अध्यक्ष महावीर जैन एवं महामंत्री ललित कुमार अजमेरा ने

सभी से व्यवस्था का लाभ लेने का निवेदन किया है। कार्यक्रम संयोजन ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों से पधारने वाले सभी धर्मावलंबियों के लिए एटी रोड स्थित महावीर भवन, विजयनगर भवन एवं बंगाईगांव में रूकने की व्यवस्था रहेगी। तथा सूर्य पहाड़ जाने-आने के लिए समिति द्वारा नि:शुल्क बसों की व्यवस्था रहेगी। यह जानकारी प्रचार-प्रसार के मुख्य संयोजक ओमप्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

संपादकीय

'ट्रंप युग' की वापसी

अमरीका ही नहीं, दुनिया भर में आज से 'ट्रंप युग' का नया आगाज हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप अमरीका के 47वें राष्ट्रपति बने हैं। वह 131 साल के इतिहास में 'व्हाइट हाउस' में लौट कर आने वाले पहले अमरीकी राष्ट्रपति हैं। इस बार ट्रंप अधिक ताकतवर राष्ट्रपति साबित होंगे, क्योंकि वह पहले भी राष्ट्रपति रह चुके हैं और इस बार अमरीका के साथ-साथ वैश्विक ब्लूप्रिंट भी उनके सामने है। राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने 100 आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, ऐसा बताया जा रहा है। यह सुदृढ़ और बुनियादी लोकतंत्र की तस्वीर है कि जिस अमरीकी संसद (कैपिटल हिल) पर उनके समर्थकों ने, ट्रंप के पिछला चुनाव हारने के बाद, धावा बोला दिया, आतंक मचाया था, उसी स्थान पर ट्रंप और वेंस ने क्रमशः राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की।

> डोनाल्ड ट्रंप अमरीका के 47वें राष्ट्रपति बने हैं। वह 131 साल के इतिहास में 'व्हाइट हाउस' में लौट कर आने वाले पहले अमरीकी राष्ट्रपति हैं। इस बार ट्रंप अधिक ताकतवर राष्ट्रपति साबित होंगे, क्योंकि वह पहले भी राष्ट्रपति रह चुके हैं और इस बार अमरीका के साथ-साथ वैश्विक ब्लूप्रिंट भी उनके सामने है। राष्ट्रपति बनते ही उन्होंने 100 आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, ऐसा बताया जा रहा है। यह सुदृढ़ और बुनियादी लोकतंत्र की तस्वीर है कि जिस अमरीकी संसद (कैपिटल हिल) पर उनके समर्थकों ने, ट्रंप के पिछला चुनाव हारने के बाद, धावा बोला दिया, आतंक मचाया था, उसी स्थान पर ट्रंप और वेंस ने क्रमश: राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण की। वहीं से राष्ट्र को संबोधित भी किया। यह भी अमरीकी लोकतंत्र का एक और आयाम है कि ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ ले रहे थे, लेकिन एक भीड़ वाशिंगटन की सडक़ों पर थी, जिनके हाथों में पोस्टर, बैनर थे और वे 'गर्भपात के महिला अधिकार' और 'जलवायु परिवर्तन पर अमरीका के सकारात्मक रवैये' की मांग कर रहे थे। यह एजेंडा कमला हैरिस का था, जिसे उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाया था।

वहीं से राष्ट्र को संबोधित भी किया। यह भी अमरीकी लोकतंत्र का एक और आयाम है कि ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ ले रहे थे, लेकिन एक भीड़ वाशिंगटन की सडक़ों पर थी, जिनके हाथों में पोस्टर, बैनर थे और वे 'गर्भपात के महिला अधिकार' और 'जलवायु परिवर्तन पर अमरीका के सकारात्मक रवैये' की मांग कर रहे थे। यह एजेंडा कमला हैरिस का था, जिसे उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाया था। बहरहाल ट्रंप की पहली परीक्षा यह होगी कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध पर यथाशीघ्र विराम लगा पाते हैं या नहीं! उन्होंने इजरायल-हमास युद्धविराम पर दोनों पक्षों को चेतावनी जरूर दी है। चीन अमरीका का दुश्मन भी है और प्रतिद्वंद्वी भी है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के 'ट्रंप की ताजपोशी' पर आने की बात कही जा रही थी, लेकिन अब चीन का कोई प्रतिनिधि मौजूद रहेगा। लोकतंत्र और वामपंथी शासन के बीच बुनियादी और वैचारिक विरोधाभास बने रहेंगे, लेकिन शी और ट्रंप में संवाद होता, तो संबंधों के नए गलियारे खुल सकते थे। भारत अमरीका का सबसे भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार रहा है, दोनों के बीच कारोबार भी सर्वाधिक है, उसके बावजूद भारत के प्रधानमंत्री मोदी 'ट्रंप के राजतिलक' में शामिल क्यों नहीं हो पाए, यह एक अहम सवाल है, जिसका जवाब निकट भविष्य में सामने आ सकता है। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप को अपना 'अंतरंग दोस्त' मानते रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर का वाशिंगटन जाना तो महज एक औपचारिकता है। राष्ट्रपति ट्रंप भारत-समर्थक हैं, यह उनके प्रशासन के फैसलों से भी साफ होता है। उनकी टीम में कई भारतवंशी चेहरे भी हैं। एलन मस्क और विवेक रामास्वामी ट्रंप प्रशासन के मुख्य रणनीतिकार हैं और वे भारत-समर्थक माने जाते हैं। बहरहाल ट्रंप को इसलिए ज्यादा ताकतवर राष्ट्रपति आंका जा रहा है, क्योंकि सीनेट और प्रतिनिधि सभा अमरीकी कांग्रेस के दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी का पर्याप्त बहुमत है। ट्रंप अपनी पार्टी के एकतरफा नेता हैं। उन्हें जनादेश भी एकतरफा ही मिला है। सर्वोच्च अदालत में रिपब्लिकन पार्टी की सोच और मानसिकता के कई न्यायाधीश हैं। बहरहाल ट्रंप की सफलता की गाथा समय ही लिखेगा। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण दो खबरें हैं। एक तो एच-1बी वीसा में कमी नहीं होगी। 2024 में अमरीका ने 1.20 लाख एच-1बी वीसा जारी किए, जिनमें से 25,000 के करीब भारतीयों को दिए गए। इस संदर्भ में भारतीय पहले स्थान पर रहे। अमरीकी टेक सेक्टर भारतीय प्रतिभाओं पर ही निर्भर है। एक काला पक्ष यह भी है कि जो करीब 1.10 करोड़ अवैध प्रवासी अमरीका में घुसते हैं, उनमें भारत तीसरे स्थान पर है। राष्ट्रपति ट्रंप का सर्वोच्च एजेंडा है कि अवैध घुसपैठियों को अमरीका से खदेड़ा जाएगा। दफ्तरों में छापे मारे जाएंगे। मैक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाने का फैसला लिया जा चुका है। यदि 'अमरीका फर्स्ट' नीति के तहत चीन पर टैरिफ 10-15 फीसदी बढ़ाया जाता है, तो उसका फायदा भी भारत को होगा। 'सप्लाई चेन' में भारत की भूमिका अहम रहने वाली है।

विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं एवं ऐसे ही युद्ध की व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं

युद्धमुक्त विश्व के ट्रंप के संकल्पों की रोशनी

ललित गर्ग

> 47वें राष्ट्र पति के रूप में ट्रंप ने शपथ से एक दिन पहले गाजा में हुए युद्ध विराम का क्रेडिट भी लिया। रूस और यूक्रेन युद्ध भी खत्म करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गयी है। बावजूद इनके विश्व युद्ध के कयास तेजी से लग रहे हैं। इसे लेकर भी कई सवाल उठते हैं कि क्या सच में तीसरा विश्व युद्ध होना इतना आसान है? लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं यूक्रेन में युद्ध खत्म कर दूंगा। मैं मध्य पूर्व में अराजकता रोक दूंगा और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोक दूंगा।' निश्चित ही ट्रंप के इन संकल्पों से अमेरिका में एक नए युग का आगाज हो रहा है, जो दुनिया में भी एक नई युद्ध मुक्त समाज-संरचना के बड़े बदलावों की ओर इशारा कर रहा है।

राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल पर लौटने से पहले ट्रंप ने 'तीसरा विश्व युद्ध' रोकने की कसम खाकर दुनिया में शांति, अमन एवं अयुद्ध की संभावनाओं को बल दिया है। 47वें राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप ने शपथ से एक दिन पहले गाजा में हुए युद्ध विराम का क्रेडिट भी लिया। रूस और यूक्रेन युद्ध भी खत्म करने की प्रतिबद्धता दोहरायी गयी है। बावजूद इनके विश्व युद्ध के कयास तेजी से लग रहे हैं। इसे लेकर भी कई सवाल उठते हैं कि क्या सच में तीसरा विश्व युद्ध होना इतना आसान है? लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं यूक्रेन में युद्ध खत्म कर दूंगा। मैं मध्य पूर्व में अराजकता रोक दूंगा और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोक दूंगा।' निश्चित ही ट्रंप के इन संकल्पों से अमेरिका में एक नए युग का आगाज हो रहा है, जो दुनिया में भी एक नई युद्ध मुक्त समाज-संरचना के बड़े बदलावों की ओर इशारा कर रहा है। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही ट्रंप कई संकेत ऐसे दे चुके हैं, जिनसे लगने लगा है कि दुनिया बदलने वाली है। ये बदलाव इस बात पर केंद्रित रहेंगे कि अमेरिका को फिर एक बार महान बनना है। यह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का नारा डोनाल्ड ट्रंप की एक नई पहचान बन गया है और बहुत संभावना है कि इस बार ट्रंप अपने सपने को साकार करने के लिए दुस्साहस का भी परिचय देते हुए युद्ध की मानसिकता वाले देशों की सोच में बदलाव का कारण बन जाये। विश्व में अनेक देशों के बीच युद्ध चल रहे हैं एवं ऐसे ही युद्ध की व्यापक संभावनाएं बनी हुई हैं। विश्व युद्ध कई कारणों से शुरू हो सकते हैं। जैसे राष्ट्रवाद यानी अपने देश के प्रति अत्यधिक लगाव और अन्य देशों के प्रति घृणा। जब राष्ट्रवाद चरम पर पहुंच जाता है तो युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है या फिर एक शक्तिशाली देश दूसरे देशों पर अपना अधिकार जमाना चाहता है, तो इससे युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। इसके अलावा देशों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा भी युद्ध का कारण बन सकती है। साथ ही धार्मिक मतभेद भी युद्ध का कारण बन सकते हैं और किसी देश में राजनीतिक अस्थिरता होने पर पड़ोसी देशों में भी अशांति फैल सकती है और युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है। युद्ध की इन व्यापक संभावनाओं पर ट्रंप के संकल्प से विराम लगना विश्व की समाज-व्यवस्था, आर्थिक विकास एवं सह-जीवन के लिये एक शुभ संकेत है। क्योंकि

विश्व युद्ध के परिणाम बहुत ही विनाशकारी होते हैं। इसमें लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। युद्ध से देशों की अर्थव्यवस्था को भी भारी नुकसान पहुंचता है। साथ ही युद्ध से समाज में अस्थिरता फैल जाती है, महंगाई, बेरोजगारी, गरीबी बढ़ जाती है और युद्ध के बाद देशों के राजनीतिक नक्शे में बदलाव आ सकता है। अमेरिका दुनिया में अमन चाहता है और नये राष्ट्रपति ट्रंप ने यदि किसी भी देश के युद्ध में सेना नहीं भेजने का संकल्प लिया है तो इससे दुनिया में युद्ध की संभावनाओं पर विराम लगना तय है। क्योंकि अब तक शक्तिशाली राष्ट्र अमेरिका ही दुनिया मे युद्ध की भूमि तैयार करता रहा है, अपनी सेना एवं सैन्य सामान भेज कर युद्ध की भूमि को उर्वरा बनाता रहा है। विश्व समुदाय कई संकटों का सामना कर रहा है- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच ट्रंप के नये संकल्प एवं योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आज युद्ध और तनाव की समस्या बढ़ती जा रही है। हथियारों का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है। हर देश परमाणुशक्ति संपन्न बनने के लिए प्रयासरत है। यह एक अजीबोगरीब स्थिति है। युद्ध की आशंका को खत्म करने के लिए हाथियारों का जखीरा बढ़ाया जा रहा है। पहले बीमारी पैदा की जा रही है, फिर उसके इलाज का उपाय ढूंढा जा रहा है। इसमें अब तक अमेरिका की ही सर्वाधिक भूमिका रही है, लेकिन अब उसके नये राष्ट्रपति की युद्धमुक्त विश्व संरचना की सोच से दुनिया में शांति एवं अमन कायम होगा। युद्ध से कभी किसी का भला नहीं होता। वह सदैव अपने पीछे दुख भरी यादें छोड़कर जाता है। युद्ध से किसी मां का बेटा उसे बिछड़ जाता है, किसी बहन का भाई उससे बिछड़ जाता है, कोई स्त्री अपने पति को खो देती है, कोई बेटी अपने पिता को खो देती है। इस तरह युद्ध केवल जान लेता है। इसके अलावा युद्ध से संपत्ति भी नष्ट होती है एवं विकास अवरूद्ध होता है। इसके विपरीत यदि सब जगह शांति हो, लोग आपस में नहीं लड़ें, देशों में आपस में युद्ध नहीं हो, तो विकास होता है। ट्रंप ने अमेरिकी राजनीति के तेवर-कलेवर को तो बदला ही है और वह वहां लोकतंत्र को भी बदलने जा रहे हों, तो कोई आश्चर्य नहीं। उनकी टीम के अनेक दिग्गज परिवर्तन के आकांक्षी हैं। न जाने कितने परिवर्तन ट्रंप के शासन में लागू होंगे। उम्मीद करनी चाहिए कि ट्रंप की नई टीम अमेरिकी परंपराओं का यथासंभव निर्वाह करते हुए ही देश को फिर से महान बनाएगी। लेकिन इस बार अमेरिकी परम्पराओं में युद्ध एवं हिंसा के स्थान पर शांति, विकास एवं हथियार मुक्ति के संकल्प होना बड़ी एवं राहतभरी बात है। हालांकि, अमेरिका को महान बनाने के अभियान पर कई सवाल भी हैं। क्या अमेरिकी निर्णायकों ने मान लिया है कि अमेरिका अब महान नहीं रहा? इस अभियान के नाम से तो शायद यही लगता है कि अमेरिकी विचारकों ने अपने देश के महान न रह पाने की वजहों का पता भी लगा लिया है। उनकी नजर उन अमेरिकी चालाकियों पर भी निस्संदेह पड़ी होगी, जिनकी वजह से अमेरिकियों की अक्सर आलोचना होती है। इन वजहों में युद्ध एवं हथियारों की होड़ बड़ी वजह रही है। अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि युद्ध, हिंसा, आतंकमुक्त नये अमेरिका को विकसित करने एवं विश्व में शांति के संकल्प को देखते हुए अमेरिका को शुरू से ही भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका सबसे पुराना जीवित लोकतंत्र है, दुनिया में युद्ध एवं आतंक के खिलाफ भारत हमेशा अग्रसर रहा है, युद्ध का अंधेरा मिटाने, शांति का उजला करने एवं अहिंसा-सहजीवन की कामना ही भारत का लक्ष्य रहा है। इसीलिये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार युद्ध विराम की कोशिश करते रहे हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत और अमेरिका के रिश्तों पर क्या असर होगा, इसे लेकर विशेषज्ञ कई तरह की उम्मीदें जता रहे।

दृष्टि कोण

रक्षक ही हों भक्षक, तो बालिकाएं कहां सुरक्षित

वराहमिहिर ने कहा था कि औरत भगवान ने एक रत्न बनाया है, उसको घर में खुशहाली की देवी के रूप मे इज्जत देनी चाहिए। मनु ने भी औरतों को सम्मान देने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी परिवार का खुशहाल होना औरत को सम्मान देने से सीधा सम्बन्ध रखता है। परंतु वर्तमान में नारी की स्थिति इतनी आदरणीय नहीं है। उनकी स्थिति दयनीय है। अभी भी उनको सारी उम्र पुरुष यौन दमन, सामाजिक पाखंड, नैतिकता और परंपराओं की आड़ में अन्याय और हर जगह असमानता का सामना करना पड़ रहा है। लिंग आधारित हिंसा एक वैश्विक चुनौती बनी हुई है। औरत को इस सोच के साथ मारा जाता है कि वह औरत है। औरतों के साथ घर, काम के स्थान, स्कूल और सार्वजनिक स्थानों पर परिवार के सदस्यों, नजदीकी साथियों, शिक्षकों, राजनीतिज्ञों, धार्मिक गुरुओं तथा अन्यों द्वारा हिंसा, यौन उत्पीडन, यौन हिंसा, हानिकारक प्रथाएं, ट्रेफिकिंग, कार्यस्थल पर भेदभाव आदि द्वारा प्रताड़ित किया जाता है। संसार में 140 औरतें और लड़कियां हर दिन अपने परिवार के सदस्यों तथा नजदीकी साथियों के हाथों अपनी जान गंवा बैठती हैं। संयुक्त राष्ट्र कार्यालय के अनुसार औरतों और लड़कियों के लिए घर ही एक खतरनाक स्थान बन गया है। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार 60.2 प्रतिशत महिलाएं उनके करीबी साथी या परिवार के सदस्यों द्वारा मारी गई हैं और 11.2 प्रतिशत आदमी मारे गए हैं। 2023 में 51100 औरतों और लड़कियों को उनके साथी या परिवार के सदस्यों ने मारा है। महिला हत्या के केस विकसित देश, जैसे अमेरिका में भी बढ़ रहे हैं। 2023 में 8300 मौतें लड़कियों और महिलाओं की हुई हैं। बाल यौन शोषण के मामले भारत में बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ये मामले विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत दर्ज किए जाते हैं। यौन शोषण के बहुत से मामले दबा दिए जाते हैं। बहुत कम मामले ही रिपोर्ट किए जाते हैं। बालिकाओं पर यौन शोषण के निम्नलिखित कुछ मामले जो हाल ही में घटित और दर्ज हुए हैं, उनको देखकर लगता है कि महिलाओं को अभी भी समाज आदर से नहीं देखता है। उनको अभी भी भोग की वस्तु समझ रखा है। असम के तिनसुकिया में 29 नवंबर 2024 को 15 वर्षीय एक किशोरी के साथ 4 नाबालिगों समेत 7 लोगों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म से किशोरी को 26 हफ्ते का गर्भ गिराने की गुहाटी हाईकोर्ट ने अनुमति दी है। 4 दिसंबर 2024 को कोलकाता में 7 महीने की बच्ची से दुष्कर्म किया गया। आरजीकर मेडिकल कालेज एवं अस्पताल के डाक्टर बच्ची के निजी अंगों के पास चोट के निशान देख कर हैरान थे। 15 दिसंबर 2024 को हिमाचल के शिमला जिले में 80 वर्षीय व्यक्ति ने अपनी 15 वर्षीय पोती का रेप कर दिया और मौके से फरार हो गया। बच्ची के पिता ने मामला पुलिस में दर्ज करवा दिया है। 26 अक्टूबर 2024 को शिमला जिले के सुन्नी क्षेत्र में स्कूली नाबालिग छात्रा के साथ स्कूल के प्रवक्ता ने छेड़छाड़ की। 17 दिसंबर 2024 को झारखंड के रामगढ़ जिले में 40 वर्षीय शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। शिक्षक ने स्कूल की छात्रा के साथ शौचालय में छेड़छाड़ की थी। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 17 दिसंबर को इलाहाबाद कोर्ट के फैसले को रद्द करके 2 पुरुषों को गिरफ्तार करने के आदेश दिए। इन दोनों ने 14 वर्षीय बच्ची का रेप किया था और जमानत पर थे। जमानत देते समय सर्वाइवर को पार्टी नहीं बनाया गया था। हिमाचल में उपमंडल नादौन के 67 वर्षीय पुरुष को 15 वर्षीय बच्ची के साथ रेप करने पर सत्र न्यायालय ने 22 दिसंबर 2024 को 25 वर्ष की सजा सुनाई। परमणी के एक व्यक्ति ने 26 दिसंबर 2024 को अपनी पत्नी को जिंदा जला दिया क्योंकि उसने 3 बार पुत्रियों को जन्म दिया था। 9 जनवरी 2025 को मध्यप्रदेश के दमोह जिले में 12 वर्षीय लडक़ी के साथ 3 लोगों ने गैंगरेप किया। इनमें एक व्यक्ति लडक़ी का परिचित था। शिमला में 7 साल की मासूम बच्ची के साथ दुराचार का मामला हुआ। आरोपी बच्ची की मां का शादीशुदा चचेरा भाई है। उत्तराखंड के चमोली जिला की अदालत ने नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म करने पर पिता को 20 साल के कारावास की सजा सुनाई। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के मलोखर के पास सडक़ किनारे कपड़े में लिपटी एक नवजात बच्ची को 4 जनवरी 2025 को सुबह 4 बजे किसी ने रखा था, जो रो रही थी। उसे अब अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में रखा है। इसी तरह 30 सितंबर 2024 को बिलासपुर के बरमाणा थाना के अंतर्गत गुगा भटेड़ के पास एक नवजात को एक घर की सीढियों के पास रखा था जिसका आज तक कोई पता नहीं लगा। 11 जनवरी 2025 को केरल के पथानामधिट्टा जिले के 2 थानों में 18 साल की एक एथलीट ने प्राथमिकी दर्ज करवाई कि पिछले 5 साल में 60 लोगों ने उसका यौन शोषण किया। शोषण करने वालों में कोच, साथी एथलीट, सहपाठी और कई लोग शामिल हैं। समूचे भारतवर्ष में तो महिलाओं और नाबालिगों के यौन शोषण के बहुत ही केस हो रहे हैं।

कुछ अलग

साहिब सोए फाइल पर

क्या आपकी ही फाइल है या और भी विभागों की प्रमोशन फाइल एप्रूवल की चाह में वीवीआईपी कमरे की धूल फांक रही हैं। सुना है कि वीवीआईपी धूल से बचने के लिए मास्क लगाने की ज़रूरत भी नहीं पड़ती। वहां कोई प्रदूषण नहीं होता।' मैं चुटकी लेते हुए बोला। वह खिसियानी हंसी हंसते हुए बोले, 'कुछ आईपीएस की फाइल हैं और कुछ प्रदेश प्रशासनिक सेवा की। लेकिन इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। कुछ बड़े महकमे भी हैं। सिविल सेवा के अधिकारियों की जिस दिन से एम्पेनलमेंट हो जाती है, वे उसी दिन से वरिष्ठता और वित्तीय लाभों के हकदार हो जाते हैं। चाहे फाइल लेट भी क्लियर हो, तब भी। लेकिन प्रदेश सरकार के सामान्य विभागों में पदोन्नति और ज्वाइनिंग के बाद ही वरिष्ठता और वित्तीय लाभ मिलता है। बड़े विभागों में पदोन्नति के अच्छे अवसर होते हैं। पर छोटे विभागों में तीस-बत्तीस साल की नौकरी में बमुश्किल एक या दो प्रमोशन ही मिल पाती हैं, जबकि बड़े विभागों में बाबू की नौकरी में आने वाला भी अधिकारी बन कर रिटायर होता है। अगर मुझे समय पर प्रमोशन मिल जाती तो शायद मैं रिटायरमेंट से पहले दूसरी प्रमोशन का पात्र हो जाता। लेकिन अब लगता है कि मैं बिना किसी प्रमोशन के ही रिटायर हो जाऊंगा।' मैंने उनके दुःख में शामिल होते हुए उनसे पूछा कि मुख्यमंत्री आपकी प्रमोशन फाइल क्यों एप्रूव नहीं कर रहे। वह इस बार व्यंग्यात्मक लहज़े में बोले, 'क्या तुम्हें पता नहीं कि राज्य सरकार पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज का बोझ है। मुख्यमंत्री राज्य को कर्ज से मुक्त करवाने के लिए प्रमोशन की फाइल रोक रहे हैं ताकि राज्य पर पडऩे वाले वित्तीय बोझ को कम किया जा सके। सीएम सोए फाइल पर, लम्बी चादर तान। प्रमोशन ड्यु साल से, अटकी मेरी जान।' भाषा विभाग में रहते हुए कवित्व को प्राप्त हो चुके, क्षोभ में भरे झुन्नू लाल जी इतना कह कर निकल लिए। लेकिन मैं सीढियों पर खड़ा होकर सोच रहा था कि क्या मुख्यमंत्री के पास ऐसी सोच और विजऩ नहीं कि राज्य की आय बढ़ाने और कर्जमुक्त होने के लिए ऐसी नीतियां, कार्यक्रम और योजनाएं बनाई जाएं, जिनसे रोजग़ार भी सृजित हों और प्रदेश कर्ज के चंगुल से बाहर आ सके। करीब दो साल पहले राज्य सरकार प्रदेश में भांग की खेती का महत्वाकांक्षी प्रस्ताव लेकर आई थी। काश! अगर उसी वक्त प्रदेश में भांग खेती शुरू हो जाती तो आज क्या ख़ूब भांग छन रही होती। क्या समा होता जब मिल बैठते नेता जी, उनके चमचे और बेरोजग़ार युवा! सब इक_ बैठ कर भांग छानते? प्रदेश में भांग के फायदों पर कितने सेमिनार, कार्यशालाएं और गोष्ठियां आयोजित हो रहे होते। पुलिसिए और लोक सम्पर्क के कलाकार लोगों में नशाख़ोरी के खिलाफ अलख जगा रहे होते। जगह-जगह भांग के काउंटर लगे होते। पर अगर भांग कम पड़े तो आय बढ़ाने के लिए सरकार जनता पर टैक्स लगा सकती है। शराब पर नई नीति ला सकती है। राज्य के पास संसाधनों की कमी नहीं, पर ऋण लेने के लिए सारे संसाधन तो पहले ही गिरवी रखे जा चुके हैं। लेकिन गिरवी क्या केवल संसाधन ही हैं या हमारा ईमान भी गिरवी पड़ा है। सभी दलों की नजऱ केवल अपने पांच सालों पर होती है। जनता की कठिनाइयों को हल करने की कौन सोचता है। लेकिन अगर राजनीति लोगों की सभी मुश्किलों का हल निकाल दे तो फिर नेता क्या करेंगे? उन्हें वोट कौन देगा? ऐसे में कम से कम अधिकारियों की पदोन्नति को महीनों तक लटका कर ही प्रदेश को कर्ज के बोझ से बाहर निकाला जा सकता है।

देश दुनीया से

टैरिफ में चुनिंदा वृद्धि का समय

आज जब चीन से आयात घाटा 85 अरब डॉलर के असहनीय स्तर तक पहुंच चुका है, जिसका असर हमारे विनिर्माण और रोजगार पर भी पड़ रहा है, हमें चीन पर निर्भरता कम करने के सघन प्रयास करने की जरूरत है। सबसे पहले जब 2018-19 के बजट में प्रधानमंत्री मोदी की 'मेक इन इंडिया' नीति घोषणा के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकॉम उत्पादों पर आयात शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया, और फिर उसी वर्ष वस्त्र और परिधानों पर आयात शुल्क बढ़ाने और तत्पश्चात अन्य गैर-जरूरी आयातों पर आयात शुल्क 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का निर्णय लिया गया, उसके फलस्वरूप वर्ष 2018-19 में चीन से व्यापार घाटा केवल 53.6 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2017-18 में यह 63 अरब डॉलर था। महत्वपूर्ण बात यह है कि उस समय इन आयात शुल्कों में वृद्धि का कई अर्थशास्त्रियों ने यह कहकर विरोध किया था कि इससे देश में संरक्षणवाद को बढ़ावा मिलेगा और अकुशलता बढ़ेगी। यह समझना होगा कि 2018-19 में आयात शुल्कों में वृद्धि ने देश में इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकॉम उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा दिया, मोबाइल फोन के निर्यात में तेजी से वृद्धि हुई और वर्ष 2023-24 तक मोबाइल फोन का निर्यात 14.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसी तरह कई अन्य वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात में भी वृद्धि देखी गई। यह पहली बार नहीं था, जब हमें टैरिफ बढ़ाने का लाभ मिला। देश में कुल विनिर्माण में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान देने वाला ऑटोमोबाइल क्षेत्र उच्च टैरिफ के कारण ही विकसित हो सका। भारत में ऑटोमोबाइल उत्पादों पर 40 हजार अमरीकी डालर से अधिक मूल्य वाली कारों के लिए 100 प्रतिशत और 40 हजार अमरीकी डालर से कम मूल्य वाली कारों के लिए 60 प्रतिशत टैरिफ लगता है। आज भारत ऑटोमोबाइल, विशेष रूप से कारों में एक वैश्विक शक्ति है और कई भारतीय और विदेशी कंपनियां देश में कारों और अन्य ऑटोमोबाइल का निर्माण कर रही हैं और भारी मात्रा में निर्यात भी कर रही हैं। भारत से 45 लाख से अधिक वाहनों का निर्यात 2023-24 में किया गया। ऐतिहासिक रूप से, अगर हम देखें, तो भारत में औसत भारित टैरिफ वर्ष 2004 में यूपीए के सत्ता में आने से पहले लगभग 24 प्रतिशत था। लेकिन टैरिफ में नाटकीय रूप से कमी की गई। वर्ष 2006 तक यह लगभग 6 प्रतिशत तक घटा दिया गया। इससे हमारे विनिर्माण में तबाही मच गई और आयात पर हमारी निर्भरता कई गुना बढ़ गई। टैरिफ कम करने की वकालत करने वाले अर्थशास्त्रियों की भी देश में कोई कमी नहीं है।

टैरिफ कम करने के उनके कई तर्क हैं: सबसे पहले, ऐतिहासिक रूप से, उच्च टैरिफ दीवारों ने उत्पादन में अकुशलता को बनाए रखा है, क्योंकि उच्च टैरिफ दक्षता में सुधार के लिए पहल को खत्म कर देता है। उनका तर्क है कि नेहरुवादी काल के दौरान आत्मनिर्भरता के नाम पर उच्च टैरिफ ने प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर दिया और परिणामस्वरूप अकुशलताएं पैदा हुईं। इससे हमारी प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हुई और परिणामस्वरूप निर्यात में भी गिरावट आई। दूसरे, अगर भारत टैरिफ बढ़ाता है, तो अन्य व्यापार भागीदारों को भी टैरिफ बढ़ाने का मौका मिलेगा और इससे हमारे निर्यात भी अवरुद्ध हो जाएंगे। इस प्रतिस्पर्धी दुनिया में, अगर हर देश ऐसा ही करता है तो वैश्विक स्तर पर व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। तीसरा, इन अर्थशास्त्रियों का एक बहुत ही प्रमुख तर्क यह है कि, कम टैरिफ उपभोक्ताओं को वस्तुओं की सस्ती आपूर्ति सुनिश्चित करते हैं और इसलिए उपभोक्ता अधिशेष और उपभोक्ता संतुष्टि में सुधार होता है।

मुक्त व्यापार का सिद्धांत : यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि ये अर्थशास्त्री रिकार्डो और अन्य शास्त्रीय अर्थशास्त्रियों पर विश्वास करते हैं, जिन्होंने लोगों के कल्याण को अधिकतम करने हेतु मुक्त व्यापार के लिए तर्क दिया था। लेकिन हमें यह समझने की जरूरत है कि यदि देश में क्षमता न हो तो बेहद कम टैरिफ, विनिर्माण क्षमता निर्माण में बाधा बनता है और इस प्रकार आयात पर हमारी निर्भरता को बढ़ा देता है, जिससे घरेलू उत्पादन में वृद्धि की संभावनाएं और कम हो जाती हैं। इसके कारण आयात पर अधिक से अधिक निर्भरता का एक दुष्चक्र बन जाता है। हमें यह भी समझना चाहिए कि, मुक्त व्यापार का लाभ तभी है जब दूसरे भी मुक्त व्यापार का पालन करें, लेकिन अगर कोई देश अपने माल को भारत में डंप कर रहा हो या अन्य देश टैरिफ दीवारें बढ़ा रहे हों, तो हमारा देश और अन्य देश मुक्त व्यापार के रुख को जारी नहीं रख सकते। आज, अमेरिका सहित कई देश अपने उद्योगों की सुरक्षा के नाम पर टैरिफ दीवारें बढ़ा रहे हैं। नतीजतन, हमारा देश भारत पहले की तरह खुला नहीं रह सकता।

चुनिंदा बढ़ोतरी हो : 2020 में जब से भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत नीति की घोषणा की है, तब से इंटरमीडिएट उत्पादों के आयात में कई गुना वृद्धि हो चुकी है। खास तौर पर आत्मनिर्भर भारत नीति में कई क्षेत्रों को चुना गया है। इन क्षेत्रों में उत्पादन को बढ़ावा दिया जाना है। इनमें ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रेडिएंट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, खिलौने, सौर उपकरण, अर्धचालक, वस्त्र, रसायन आदि शामिल हैं। इन क्षेत्रों में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की गई है, जिसमें सरकार ने तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि निर्धारित की है। लेकिन पीएलआई योजना और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रयासों के बावजूद, हमें इंटरमीडिएट्स के आयात में बहुत कमी नहीं दिख रही है। इन क्षेत्रों में घरेलू निवेश भी भारी मात्रा में हो रहा है, लेकिन चीन द्वारा डंपिंग ने पीएलआई योजनाओं की सफलता को प्रभावित किया है। इसके अलावा, इन मध्यवर्ती उत्पादों के उपयोगकर्ता उद्योग दक्षता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के नाम पर अपने उत्पादन को जारी रखने के लिए इन मध्यवर्ती उत्पादों पर आयात शुल्क में और कमी करने की मांग कर रहे हैं।

आप का नजरीया

एक तफ्तीश की हत्या

पुलिस विभाग के आठ लोग जिस जंग को लड़ रहे थे, वह न्याय की प्रतीक्षा और परीक्षा में अंततः एक ऐसी सुर्खी बनी जिसके सबक हमेशा जिंदा रहेंगे। संदेह की पुलिसिया कार्रवाई ने एक नेपाली नागरिक सूरज को जिस तफ्तीश में तड़पाया, आखिरकार उसी की छानबीन में पुलिस की टोली को सजा हो गई। एक गुनाह, एक दर्द और एक सियाह पन्ना हिमाचल की कानून व्यवस्था से गुजर गया, जब सीबीआई अदालत ने एक साथ आठ पुलिस कर्मियों को हिरासत में सूरज की मौत का दोषी करार कर दिया। कोटखाई हत्याकांड के मनहूस पन्ने अंततः पुलिस के ही माथे पर लिख दिए गए। कोटखाई पुलिस जांच अगर एक तरीका है जुल्म और न्याय के बीच, तो कौन कब जीत पाएगा? यह राज्य की कानून व्यवस्था और हमारी सामाजिक शांति के विपरीत दिखाई देने वाला जुर्म है और इससे पुलिस की फाइल में दर्ज कई मामले चीख उठेंगे। कानून के जिन सख्त पहरों के नीचे हम प्रदेश की मर्यादा को जिंदा रखते हैं, उन्हें इस तरह बिखरता देखना कई चिंताएं पैदा करता है। जाहिर तौर पर इस सजा के दायरे पूरे महकमे की परिक्रमा करेंगे और जहां सरकार को अपने तौर पर यह विश्वास दिलाना होगा कि हर थाना न तो कोटखाई सरीखा है और न ही हर तफ्तीश में व्यवहार इस तरह उच्छृंखल होता है। कोटखाई के जख्म जितनी बार कुरेदे जाएंगे, यह राज्य अपने चरित्र को कोसेगा। एक मनहूस सफा सारे परिदृश्य को लूट के चला गया। हैरानी यह रही कि पुलिस ने जांच की परिपाटी में अपनी दक्षता, संतुलन, विश्वसनीयता और क्षमता को बार-बार नीलाम किया। कोटखाई प्रकरण कई धड़ों में बंटा और कई लोग इसके शिकार हुए या होते-होते बचे। थाने में तफ्तीश की हत्या और पुलिस परिसर में आक्रोश की ज्वाला ने तब भी बहुत कुछ जलाया और अब अदालती फैसले ने कई कठघरे हिमाचली चरित्र पर लाकर खड़े कर दिए। कहना न होगा कि कोटखाई प्रकरण अगर सीबीआई के फैसले तक पहुंचा, तो इसके पीछे नागरिक समाज, मीडिया व विपक्ष की भूमिका भी रही है। यह दीगर है कि मामले को अदालत तक पहुंचाने वाले मीडिया को इसके बदले खुद को मानहानि के आरोपों से बचाने की लड़ाई लडऩी पड़ रही है। हिमाचल में विडंबना यह भी है कि मीडिया के लिए अपने प्रोफेशन की स्वतंत्रता बचाने के लिए अदालतों में आरोपों से लडऩा पड़ रहा है। कोटखाई प्रकरण में नागरिक समाज और विपक्ष अपनी-अपनी हाजिरी लगा कर लौट गए, लेकिन ऐसे अनेक उदाहरण मिल जाएंगे जहां विभिन्न अखबारों के वरिष्ठ पत्रकार एक से दूसरी अदालत तक एडियां रगड़ रहे हैं। हैरानी यह नहीं कि सीबीआई कोर्ट के दोषी इस दौरान व्यवस्था में पात्र बने रहे, बल्कि यह है कि हिरासत में हत्या के इन दागों की हिफाजत होती रही। यह उन निर्दोष लोगों के लिए राहत का सबब होना चाहिए, जिन्हें जांच के नाम पर फंसाया या धमकाया जाता रहा है। यह उन परिवारों पर भी न्याय का मरहम है जो पुलिस जांच में कुपात्र बनाए गए थे। अंततः जिनका चरित्रहनन कोटखाई प्रकरण की पुलिस जांच ने किया, उनके पक्ष में भी तो कुछ न्यायिक राहत मिलनी चाहिए।

शिक्षा विभाग का बड़ा आदेश

शिक्षा के मंदिर में अश्लीलता फैलाने के आरोपी शिक्षक व शिक्षिका सेवा से बर्खास्त

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। सोशल मीडिया पर वायरल हुए चित्तौड़गढ़ जिले के एक सरकारी स्कूल के अश्लीलता फैलाने वाले वीडियो के मामले में शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है। वायरल वीडियो ने दिखाई दे रहे शिक्षक व शिक्षिका को राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है। विभाग ने इसके लिए दो अलग-अलग आदेश जारी किए हैं। वहीं एक दिन पूर्व ही दोनों के खिलाफ गंगरार पुलिस थाने में जिला शिक्षा अधिकारी ने फौजदारी मुकदमा भी दर्ज करवा दिया था। जानकारी में सामने आया कि चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार उपखंड क्षेत्र में स्थित राजकीय विद्यालय सालेरा विद्यालय का वीडियो सोशल मीडिया पर आया था। इसमें विद्यालय समय में ही प्राचार्य कक्ष में अति अश्लील हरकतें करते कैमरे में कैद होने वाले कार्यवाहक प्राचार्य अरविंद व्यास व महिला शिक्षक को राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) राजेन्द्र शर्मा ने मामले की जांच के लिए बनी उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट के बाद उच्च अधिकारियों से चर्चा कर एक आदेश जारी कर दोनों को राजकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया। आदेश में लिखा है कि सोमवार को दोनों आरोपी जांच समिति के समक्ष पेश हुए। इसमें उनसे घटना को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया। आरोपी व्यास ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया, जबकि महिला शिक्षक ने वीडियो में खुद का होना तो स्वीकार किया लेकिन वीडियो के घटनाक्रम को एडिट बताया। जिला शिक्षा अधिकारी शर्मा ने बताया कि वीडियो की जांच के बाद बिल्कुल सही पाया गया है। इसके बाद ही दोनों के विरुद्ध गंगरार थाने पर सार्वजनिक स्थान पर अश्लीलता फैलाने का प्रकरण विभाग की ओर से दर्ज करवाया गया है। गौरतलब है कि आरोपी शिक्षक अरविंद व्यास संयुक्त कर्मचारी महासंघ का प्रदेशाध्यक्ष है। नेतागिरी के चलते ही यह जिस स्कूल में घटना हुई वहां पिछले चौदह साल से कार्यवाहक प्राचार्य बना हुआ है और मूल पद पर किसी को भी नियुक्त नहीं होने दिया। इधर, गंगरार पुलिस थाने में दर्ज फौजदारी प्रकरण के मामले में पुलिस अनुसंधान कर रही है।

राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल का परिणाम घोषित, दसवीं में 43.54 और बारहवीं में 44.95 फीसदी छात्र उत्तीर्ण

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मंगलवार को जयपुर स्थित शिक्षा संकुल में राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल का परिणाम घोषित किया। इस बार दसवीं कक्षा में 43.54 प्रतिशत और बारहवीं कक्षा में 44.95 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए हैं। जो विद्यार्थी पूरी तरह से उत्तीर्ण नहीं हो सके, उन्हें दोबारा परीक्षा देने का अवसर प्रदान किया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस बार परिणाम जांचने की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन थी, जिससे शैक्षणिक कार्यों पर प्रभाव नहीं पड़ा। यही कारण है कि परिणाम मात्र 15 दिनों में जारी कर दिए गए। इसके अलावा, परीक्षा कॉपियों की जांच में होने वाले खर्च को भी इस बार काफी हद तक बचाया गया है। मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान स्टेट

ओपन स्कूल के विद्यार्थियों को फेल नहीं किया जाता। जो विद्यार्थी पास हो गए हैं, वे अपनी आगे की पढ़ाई जारी रख सकते हैं। वहीं, जो विद्यार्थी इस बार आशिक उत्तीर्ण हुए हैं, उन्हें फिर से परीक्षा में शामिल होने का मौका मिलेगा। इस बार दसवीं कक्षा के लिए 16, 317 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से 7, 105 विद्यार्थी पास हुए, जबकि 9, 212 विद्यार्थी आशिक उत्तीर्ण हुए। वहीं, बारहवीं कक्षा में 15, 714 विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया, जिनमें से 7, 063 विद्यार्थी सफल हुए और 8, 650 विद्यार्थी आशिक उत्तीर्ण रहे।

किसान नेता डल्लेवाल की तबीयत में सुधार 57वें दिन अनशन जारी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन मंगलवार को 57वें दिन में प्रवेश कर गया। इस बीच ट्रैक्टर मार्च की रणनीति बनाने के लिए किसानों की बैठकों का दौर भी बॉर्डर पर शुरू हो गया है। चिकित्सीय सहायता लेने के बाद डल्लेवाल की तबीयत में सुधार है। खनौरी बॉर्डर पर डल्लेवाल की देखरेख कर रहे डॉक्टरों ने रात को मेडिकल बुलेटिन जारी कर कहा कि शनिवार रात से मेडिकल एड लेने के बाद से अब उनकी सेहत में कुछ सुधार दिख रहा है। जल्द उनके ब्लड सैंपल की रिपोर्ट आ जाएगी। आठ सीनियर डॉक्टर उनकी देखरेख कर हैं। डॉक्टरों की कोशिश है कि 14 फरवरी को केंद्र सरकार से होने वाली बैठक से पहले उनकी सेहत में अप्रत्याशित सुधार हो।

मुफ्त बिजली से बढ़ रहा आर्थिक बोझ, यह व्यवस्था लंबे समय के लिए ठीक नहीं : केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी

जयपुर (हिंस)। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने मुफ्त बिजली देने वाले राज्यों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य राजनीतिक कारणों से मुफ्त बिजली दे रहे हैं। इससे एक बड़ा आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी मंगलवार को जयपुर में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित नवीकरणीय ऊर्जा पर क्षेत्रीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं किसी राज्य पर नहीं बोल रहा लेकिन यह व्यवस्था लंबे समय के लिए ठीक नहीं है। हमें कोशिश करनी चाहिए कि फ्री बिजली की जगह उपभोक्ताओं को इस तरह सक्षम बनाएं कि वे न सिर्फ सस्ती बिजली का घर में उपयोग कर सकें, बल्कि सरप्लस बिजली को ग्रिड में देकर देश की जरूरतों को भी पूरा कर सकें। जोशी ने कहा कि इसी बात को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार पीएम सूर्य घर योजना लेकर आई है, जो फ्री बिजली देने वाले राज्यों के लिए वरदान साबित हो सकती है। यदि फ्री बिजली देने वाली राज्य सरकारें अपनी सब्सिडी का पैसा पीएम सूर्य घर योजना में एकमुश्त देने की हिम्मत करें, तो अगले 25 सालों तक उपभोक्ता बिजली बिल के झंझट से मुक्त हो जाएंगे। राज्य सरकारों का सालाना फ्री बिजली की सब्सिडी का आर्थिक बोझ भी खत्म होगा। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि हमें समझने की जरूरत है कि हमारे देश में ऊर्जा की मांग क्यों अधिक है? भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस वजह से ऊर्जा की आवश्यकता बढ़ रही है। भारत विश्व में सबसे बड़ा मानव संसाधन वाला देश है। यहां 65 प्रतिशत आबादी युवा है। यही कारण है कि हमारा उत्पादन और निर्माण क्षमता मजबूत हो रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम खिलौने और स्टील के निर्यात में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट के लिए जारी निविदा में 4 लाख 12 हजार लाख टन की मांग आई। इसमें 50 फीसदी हिस्सेदारी अन्य देशों की है। पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। हर राज्य के पास इस मौके का फायदा उठाने का अवसर है। भारत नवीकरणीय ऊर्जा की ओर इसलिए बढ़ रहा है ताकि पृथ्वी को उसी रूप में सुरक्षित रखा जा सके, जैसा हमें मिला है। उन्होंने कहा कि यह हमारी जिम्मेदारी है कि इसे अगली पीढ़ी के लिए तैयार रखें। अन्य जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए भी हमें नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ना होगा। पहले प्रति यूनिट सौर ऊर्जा की लागत 11 रुपए थी।

युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़े, राज्य सरकार उन्हें उपलब्ध करवाएगी मंच : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा युवाओं का है। युवा प्रदेश की आर्थिक समृद्धि के इंजन है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को उनके सपनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त अवसर दे रही है जिससे वे देश एवं प्रदेश की प्रगति में भी अपना अहम योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि सरकार युवा एवं खेल प्रतिनिधियों के सभी सुझावों पर विचार कर उन्हें बजट में यथासंभव शामिल करेगी ताकि आपणो अग्रणी राजस्थान का सपना साकार किया जा सके। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में युवा और खेल क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व चर्चा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा अपार ऊर्जा, नवाचार और सृजनशीलता के स्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद जी का कहना था कि 21वीं सदी भारत की है तथा युवा पीढ़ी में हर समस्या का समाधान करने का सामर्थ्य है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि युवा हर क्षेत्र में आगे बढ़े तथा हम उन्हें हर संभव मंच उपलब्ध करवाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के खेल परिदृश्य में अभूतपूर्व बदलाव आया है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे मूवमेंट से देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिला है। उन्होंने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ ने 2036 के ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी को लेटर ऑफ इंटेंट भी भेजा है। भारत के खिलाफ अब विश्व भर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं तथा आज भारत एक खेल शक्ति बनकर उभर रहा है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान खेलों के क्षेत्र

में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा हमारी प्राथमिकता है कि प्रदेश खेलों में अग्रणी राज्य बने। उन्होंने कहा कि नई खेल नीति, खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन, राजस्थान टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम, मिशन ओलंपिक 2028, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फोर स्पोर्ट्स जैसे निर्णयों से प्रदेश में खिलाड़ियों को तैयारियों के लिए समुचित अवसर मिल रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य के हर जिले में खेल से संबंधित सुविधाओं का विकास करने के लिए एक जिला-एक खेल, की योजना शुरू की गई हैं जिससे जिले में अन्य खेलों के साथ एक विशेष खेल को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे युवा खिलाफ दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। इस बार पेरिस पैरालिंपिक में प्रदेश के आठ खिलाड़ियों ने भाग लिया तथा स्वर्ण, कांस्य सहित कुल 3 पदक जीते। राज्य सरकार ने मेडल जीतने वाले तीनों खिलाड़ियों को पांच-पांच करोड़ रुपए की राशि प्रदान कर उनका सम्मान और उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि यह बेहद गर्व का विषय है भारत सरकार द्वारा दिव्यकृति सिंह राठौड़ को अर्जुन पुरस्कार और पैरा-एथलेटिक्स प्रशिक्षक महावीर सैनी को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने खो-खो वर्ल्ड कप में विजेता भारतीय टीम को तथा उस टीम में शामिल राजस्थान की बेटी निर्मला भाटी को जीत की बधाई दी। उन्होंने ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए नई युवा नीति तैयार की जा रही हैं।

नगर निगम का तीन दिवसीय महिला उद्यमिता मेला शुरू

जोधपुर (हिंस)। नगर निगम दक्षिण की ओर से गांधी मैदान में मंगलवार से तीन दिवसीय महिला उद्यमिता मेले का शुभारंभ हुआ। इसमें निगम की ओर से 56 महिला उद्यमियों को निःशुल्क स्टॉल्स का आवंटन किया गया है। महापौर दक्षिण वनिता सेठ ने बताया कि महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए नगर निगम दक्षिण की ओर से तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है। मेले में स्टॉल्स को लेकर सोमवार को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया की गई थी जिसमें 56 महिला उद्यमियों ने स्टॉल्स के लिए अपना रजिस्ट्रेशन करवाया। इसके बाद नगर निगम दक्षिण की ओर से सभी महिला उद्यमियों को स्टॉल्स का आवंटन कर दिया गया। मंगलवार को सुबह इस मेले का शुभारंभ किया गया।

रोहतक: बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की समस्याएं महत्वपूर्ण व संवेदनशील विषय : प्रो. अग्निहोत्री

रोहतक (हिंस)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की समस्याएं एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील विषय है, जो समाज के विभिन्न पहलुओं से जुड़ा है। इनके समाधान के लिए इस समस्या के मूल को समझना होगा। यह उद्गार हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला के निदेशक प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री ने मंगलवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के स्वराज सदन में आयोजित विशेष विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता व्यक्त किए। एमडीयू की पंडित दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, लोक प्रशासन विभाग और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में द प्रॉब्लम ऑफ माइनॉरिटीज इन बांग्लादेश विषय पर आयोजित इस विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में प्रो. अग्निहोत्री ने बांग्लादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालातों की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को भारत सरकार ने दुनिया के सामने लाया है। आज भारत की बदौलत दुनिया इस मुद्दे पर बोल रही है। इस मुद्दे को बड़े परिपेक्ष्य में समझने की जरूरत है, ऐसा उनका कहना था। उन्होंने इस दिशा में विश्वविद्यालयों में गहन विचार-मंथन एवं शोध कार्य पर बल देने की बात कही। एमडीयू के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान ने अध्यक्षीय संबोधन में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को दयनीय बताया। उन्होंने कहा कि वहां के अल्पसंख्यक धार्मिक असहिष्णुता, सामाजिक भेदभाव, जमीन और संपत्ति का हड़पना, मानवाधिकारों का उल्लंघन, शैक्षिक एवं आर्थिक असमानताएं आदि समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का हाशिए पर होना आजादी के बाद से ही जारी है और अल्पसंख्यकों की लगातार घटती संख्या इस बात को पुख्ता करती है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में वहां की सरकार को कानूनों की ईमानदारी से पालना करनी होगी और यूएन एवं मानवाधिकार संगठनों को भी इस दिशा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। पीठ के निदेशक प्रो. सेवा सिंह दहिया ने प्रारंभ में स्वागत भाषण दिया और व्याख्यान की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। डॉ. विवेक बाल्यान ने कार्यक्रम का संचालन किया।

अजमेर रेलवे स्टेशन पर *स्टेशन महोत्सव* का आयोजन 24 जनवरी को

अजमेर (हिंस)। अजमेर स्टेशन के गौरवमय इतिहास को उत्सव स्वरूप मनाने के लिए अजमेर स्टेशन पर 24 जनवरी को *स्टेशन महोत्सव* मनाया जाएगा। अजमेर रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में स्टेशन महोत्सव का आयोजन होगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बीसीएस चौधरी के अनुसार मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम मे सेवानिवृत्त रेल कर्मचारियों व अधिकारियों एवं स्कूली बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों व केक कटिंग का भी आयोजन होगा। महोत्सव के दौरान अजमेर स्टेशन के इतिहास और स्टेशन के बारे में आमजन की जानकारी बढ़ाने के लिए वीडियो वॉल पर प्रदर्शित किया जाएगा।

संविधान भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक : कांता कर्दम

गाजियाबाद (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा नागरिकों में संविधान के प्रति जागरूकता और गर्व की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से *संविधान गौरव अभियान* की शुरुआत की गई। इस अभियान का उद्देश्य भारत के संविधान की गरिमा, मूल अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति आम जनता को जागरूक करना है। इसी कड़ी में भाजपा महानगर ने विजयनगर स्थित उत्सव भवन में मंगलवार को एक संविधान गौरव अभियान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश की उपाध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी कांता कर्दम मौजूद रही। उन्होंने कहा कि संविधान न केवल भारत की एकता और अखंडता का प्रतीक है, बल्कि यह हर नागरिक के अधिकारों और दायित्वों का आधार भी है। भाजपा और भाजपा समर्थित सरकारों ने सदैव संविधान रचयिता बाबा साहब के सम्मान में प्राथमिकता से कार्य किया। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस ने अपनी सोची-समझी रणनीति के आधार पर बाबा साहब के अपमान में कोई कसर नहीं छोड़ी और उन्हें हमेशा शीर्ष होने पर भी नजरअंदाज किया। कांता कर्दम ने आगे कहा जिन्होंने कभी भी संविधान रचयिता बाबा साहब का सम्मान नहीं किया हो, वह ही आज शोर मचाकर

संविधान की रक्षा की गारंटी ले रहे हैं जिन्होंने खुद अपने कार्यकाल में 11 बार संविधान को बदला हो, आज वह संविधान की रक्षा की दुहाई दे रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेता बलदेव राज शर्मा अमर दत्त शर्मा पूर्व मेयर आशा शर्मा पूर्व डिप्टी मेयर राजेश्वर प्रसाद क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, प्रदीप चौहान कार्यक्रम के महानगर संयोजक एवं महानगर महामंत्री सुशील गौतम, महानगर उपाध्यक्ष बॉबी त्यागी, मोर्चा के अध्यक्ष अनिल कल्याणी, सचिन डेढ़ा, रेनू चंदेला, संजय रावत, पंकज भारद्वाज, सुमन सिंह, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी सहित वार्ड जनप्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे। महानगर की ओर से मुख्य अतिथि कांता कर्दम का बुके एवं प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत अभिनंदन किया गया।

सनातन को उसके चरम उत्कर्ष पर ले जाने का कार्य करेंगे सीएम योगी आदित्यनाथ : चिदानंद सरस्वती

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ की समस्त दिव्यता-भव्यता उसमें आने वाले संतों, महात्माओं और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से सम्भव है। महाकुंभ में आए परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष और आध्यात्मिक गुरु चिदानंद सरस्वती का कहना है कि महाकुंभ भारतीयता का महापर्व है। सनातन आस्था को मानने वालों का इससे बड़ा कोई महोत्सव नहीं है। महाकुंभ कुछ का नहीं सबका महोत्सव है, जिस उत्साह और जोश में लोग महाकुंभ में भाग लेने आ रहे हैं, संगम के सब तट आस्थावान लोगों से भरे हुए हैं। ऐसा नजारा पूरे विश्व में कहीं देखने को नहीं मिलता। ये सनातन के उत्कर्ष का महापर्व है और सनातन को उसके उच्चतम शिखर पर ले जाने का कार्य करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष चिदानंद

सरस्वती का कहना है कि वो 1971 से महाकुंभ में सम्मिलित होते रहे हैं। लेकिन जैसी दिव्य और भव्य व्यवस्था प्रयागराज के इस महाकुंभ में है ऐसी पहले कभी नहीं देखी। महाकुंभ के इस महाआयोजन के लिए उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का ऐसा भव्य आयोजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अथक प्रयासों से ही सम्भव हुआ है। उन्होंने बताया कि इस अद्भुत आयोजन को देख कर सभी लोग आह्लादित और उत्साहित हैं। देश ही नहीं विश्व के कोने-कोने से आए भक्त और पर्यटक महाकुंभ की आभा, यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा को देख कर यहां बार-बार आना चाह रहे हैं। महाकुंभ से सनातन की एकता, सरसता का जो संदेश विश्व में जा रहा है अन्यत्र सम्भव नहीं है। चिदानंद सरस्वती का कहना है कि जब मैंने संगम तट पर स्नान किया तो लोगों में भरे हुए उत्साह को देखकर पूरी तरह गौरवान्वित था। ऐसा दिव्य-भव्य, अद्भुत नजारा, देश-दुनिया के कोने-कोने से लोग आ कर पवित्र संगम में डुबकी लगा रहे हैं। सनातन के उत्कर्ष को देख कर सभी आश्चर्यचकित हैं। यहां तक कि सीमा पार पाकिस्तान, बंग्लादेश से लेकर बहरीन, अरब के लोग देख कर न केवल हैरान हो रहे हैं बल्कि कई तो खुद महाकुंभ में शामिल होने आना चाह रहे हैं। लोगों को बांटने वाले देखें कि कैसे सभी जाति, पंत, भाषा बोलने वाले एक साथ संगम स्नान कर रहे हैं। महाकुंभ सनातन की एकता का महापर्व है।

बहू के हत्यारे सास ससुर गिरफ्तार पुलिस को थी डेढ़ वर्षों से तलाश

नवादा (हिंस)। नवादा में जहर देकर बहू की हत्या करने के आरोपी सौतेले सास-ससुर को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार सौतेले सास-ससुर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के केंदुआ निवासी उषा देवी पति सुखदेव सिंह और सुखदेव सिंह पिता स्व. गिरानी सिंह बताए जाते हैं। हत्या के आरोपी सौतेले सास और ससुर पिछले डेढ़ वर्ष से फरार चल रहे थे। मृतका पूर्णिमा कुमारी नगर थाना क्षेत्र के गढ़ पर मोहल्ले की निवासी शहर के सुरेश प्रसाद की पुत्री बताई जाती है। मृतका के भाई रंजित कुमार ने बहन पूर्णिमा कुमारी की सास ऊषा देवी, ससुर सुखदेव सिंह, ननद नीतू देवी और ननदोई जितेंद्र कुमार पर जहर देकर मार देने का आरोप लगाया था। ये घटना 2 अगस्त 2023 की बताई जाती है। मृतका के परिजनों ने एसपी से न्याय की गुहार लगायी थी। मृतका के बड़े भाई रंजित कुमार के मुताबिक अपनी छोटी बहन पूर्णिमा की शादी लगभग 13 वर्ष पूर्व जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के केंदुआ ग्राम के निवासी सहदेव सिंह के पुत्र विनय कुमार से हिंदू रीति-रिवाज के साथ किया था। मृतका के पति पुणे में सरकारी नौकरी करते हैं। मृतका पूर्णिमा की एक 9 साल की लड़की और एक 8 साल का लड़का है। मृतका ससुराल में ही रहती थी, जहां सौतेली सास उषा देवी, ससुर सहदेव सिंह, ननद नीतू देवी और ननदोई जितेंद्र सिंह

द्वारा प्रताड़ित किया जाता था। मृतका पूर्णिमा के विरोध करने पर ससुराल वाले उसे और उसके बच्चों के साथ मारपीट कर सभी को घर से बाहर निकाल दिया करते थे। पीड़ित परिवार का आरोप है कि 2 अगस्त 2023 को सौतेले सास-ससुर और ननद, ननदोई ने मिलकर पूर्णिमा को जहर देकर मौत के घाट उतार दिया था। मुफस्सिल थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के केंदुआ गांव में एक विवाहिता की जहर देकर हत्या कर दी गई थी। हत्या का आरोप सौतेली सास उषा देवी और ससुर सुखदेव सिंह पर लगा था। इस मामले में मुफ्फसिल थाने में विवाहिता की हत्या कांड संख्या 261/23 दर्ज किया गया था। पुलिस पूरे मामले की अनुसंधान के बाद हत्या के आरोपी सौतेले सास और ससुर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हमारा संविधान हमारे प्राचीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है : राज्यपाल आरिफ मोहम्मद

पटना (हिंस)। अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के समापन सत्र में मंगलवार को बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि हमारा संविधान हमारे प्राचीन मूल्यों को प्रतिबिंबित करता है। पीठासीन पदाधिकारी सम्मेलन में लिए गए फैसले से हमारा लोकतंत्र और मजबूत होगा। राज्यपाल खान ने कहा कि राजनीति का मतलब त्याग, ज्ञान प्राप्त करना और संस्कारी होना है। सभी को अपने दिल में समाहित करने की क्षमता है। इस मौके पर पीठासीन पदाधिकारियों से उन्होंने कहा कि लोक कल्याण और लोक संग्रह के लिए आपको काम करना है ताकि हर व्यक्ति तक न्याय पहुंच सके और जो स्वार्थ के लिए काम करते हैं वे अज्ञानी हैं। भारत के संविधान के अंगीकरण की 75वीं वर्षगांठ पर भारतीय विधायी संस्थाओं के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन ने सामूहिक रूप से भारतीय संविधान के प्रति अपनी संपूर्ण आस्था व्यक्त की तथा संकल्प लिया कि संविधान में निहित मूल्यों और आदर्शों के

अनुरूप अपने अपने सदनों का कार्य संचालन करेंगे। भारतीय विधायी संस्थाओं के पीठासीन अधिकारियों ने पुनः सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि विधायी संस्थाओं में बाधारहित व्यवस्थित चर्चा एवं परिचर्चा को सुनिश्चित करेंगे, ताकि विधायी एवं नीतिगत मुद्दों पर जनहित में श्रेष्ठ संवाद का वातावरण बन सके। भारतीय विधायी संस्थाओं के पीठासीन अधिकारियों ने संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर इसके मूल्यों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इसके अंतर्गत पंचायती राज व्यवस्था, शहरी निकायों, सहकारी संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों तक संवैधानिक मूल्यों को योजनाबद्ध तरीके से पहुंचाने का अभियान व कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया, जिससे संवैधानिक मूल्यों की जड़े और गहरी व स्थायी हों और जन सहभागिता पर आधारित यह शासकीय व्यवस्था देश में और सुदृढ़ व मजबूत बने। दो दिनों तक चले इस सम्मेलन में देशभर से 23 विधानमंडलों के 41 पीठासीन अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस सम्मेलन का एजेंडा था *संविधान की 75वीं वर्षगांठ: संवैधानिक मूल्यों को सशक्त करने में संसद और राज्य विधायी निकायों का योगदान*। सम्मेलन के समापन सत्र में राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह, बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव और बिहार विधान परिषद के अध्यक्ष अवधेश नारायण सिंह सहित अन्य लोग शामिल हुए।

दिव्यांग हमारे समाज का एक अहम हिस्सा : देवेंद्र कादियान

सोनीपत (हिंस)। गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि दिव्यांगों को सामान्य व्यक्ति से अलग न समझा जाए। वह भी हमारे समाज का एक अहम हिस्सा हैं, उन्हें सम्मान दिया जाए। विधायक देवेंद्र कादियान पैतृक गांव बजाना में अपने आवास पर सहायक उपकरण शिविर कार्यक्रम में बोल रहे थे। विधायक ने एलिम्को आसरा की इस पहल की भी सराहना की, जिससे क्षेत्र के दिव्यांग व बुजुर्गों को उनके घर के पास उपकरण मिल जाते हैं। दिव्यांग उपकरण का सही ढंग से उपयोग करें। कादियान ने कहा कि क्षेत्र का संपूर्ण विकास कराना ही उनकी प्राथमिकता है। जल्द ही उनकी तरफ से जनहित में हेल्पलाइन नंबर जारी किए जाएंगे। जिन पर कॉल कर शहरवासी बिजली, पानी, गंदगी इत्यादि से जुड़ी समस्याओं से अवगत करवा सकेंगे। इसके बाद उनकी टीम के सदस्य संबंधित अधिकारियों से तालमेल बनाकर उन समस्याओं का समाधान कराने का काम करेंगे।

भारत, बेल्जियम ने औषधि एवं कृषि उत्पादों में व्यापार बढ़ाने पर की चर्चा

नई दिल्ली

भारत और बेल्जियम ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए फार्मा और कृषि उत्पादों जैसे क्षेत्रों में व्यापार मुद्दों को हल करने के लिए तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और बेल्जियम के विदेश एवं विदेश व्यापार मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन के बीच ब्रसेल्स में हुई बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में औषधि तथा कृषि उत्पादों के लिए अनुमोदन प्रक्रियाओं में नियामक बाधाओं पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही दोनों पक्षों ने निरंतर बातचीत के जरिए इन चुनौतियों से निपटने पर सहमति व्यक्त की।

मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने इस बैठक के दौरान व्यापार मुद्दों के समाधान के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की। इन नेताओं ने यूरोपीय संघ-भारत मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता की प्रगति पर भी चर्चा की। इसके साथ ही बातचीत को सुचारू बनाने तथा आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए व्यापार मुद्दों को प्राथमिकता देने के महत्व पर बल दिया गया। बैठक के निष्कर्ष के तौर पर भारत और बेल्जियम के बीच लोकतंत्र, कानून के शासन और स्वतंत्र न्यायपालिका के साझा मूल्यों पर आधारित दीर्घकालिक संबंधों को मजबूती मिली।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा, जीवन विज्ञान, बुनियादी ढांचे, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और खाद्य उत्पादों जैसे उभरते क्षेत्रों को दोनों देशों के बीच सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया गया। इसके अलावा बेल्जियम ने अपने व्यापार संबंधों में विविधता लाने के लिए भारत के साथ रणनीतिक साझेदार के रूप में जुड़ने के महत्व को स्वीकार किया।

वाणिज्य मंत्री ने एक्स पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि ब्रुसेल्स में बेल्जियम के विदेश मंत्री, यूरोपीय मामले, विदेश व्यापार और संघीय सांस्कृतिक संस्थानों के मंत्री बर्नार्ड क्विंटिन से मिलकर बहुत खुशी हुई।

हमने भारत में आगामी बेल्जियम आर्थिक मिशन पर उपयोगी चर्चा की। इसके साथ ही टिकाऊ प्रौद्योगिकियों, अर्धचालकों, रत्न और आभूषण, स्वास्थ्य सेवा और कृषि उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हुए आपसी व्यापार और निवेश संबंधों को गहरा करने के अवसरों की खोज की।

उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2023-2024 में भारत और बेल्जियम व्यापार 15.07 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, जबकि बेल्जियम से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 3.94 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा होने का अनुमान है।

न्यूज ब्रीफ

भारत के कामगार हर जगह अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं : जयंत चौधरी

दावोस। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने दावोस जाने से पहले एक बड़ा मुद्दा उठाया। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए भारत के कौशल विकास की महत्वपूर्णता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत के कामगार नेतृत्व की भूमिका सहित हर जगह अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं और यह वैश्विक मंच पर सफलता की कहानी होगी। दावोस में होने वाली विश्व आर्थिक मंच की बैठक के अवसर पर चौधरी ने कहा कि आज पूरी दुनिया देख रही है कि भारत कौशल विकास के क्षेत्र में बहुत गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय कामगार जहां भी काम करते हैं, वहां अपनी क्षमता साबित करते हैं और शीर्ष नेतृत्व की भूमिकाओं सहित अपना सही स्थान हासिल करते हैं। चौधरी ने उम्मीद जताई कि दावोस में भारत को और अधिक निवेश मिलेगा और जो कंपनियां अभी भारत में मौजूद नहीं हैं, वे भी वहां आएँगी। यहां अधिकारियों और कॉरपोरेट घरानों के लोगों के साथ बैठकें करने वाले संगठन उनके भारत में निवेश करने की इच्छा का समर्थन कर रहे हैं। विश्वास है कि चौधरी की इन उच्चाधिकारी के बैठकों में हिस्सा लेने से भारत का कौशल विकास होगा और दुनिया भारत की योगदान की महत्वपूर्णता को समझेगी।

गो फर्स्ट एयरलाइन के खिलाफ एनसीएलटी ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने गो फर्स्ट एयरलाइन के परिसमापन की मंजूरी दे दी। यह कंपनी पिछले कुछ सालों से वित्तीय मुश्किलों का सामना कर रही थी। इस निर्णय के बाद कंपनी गति से वित्तीय संकट से बाहर होगी। न्यायाधिकरण ने कहा कि कंपनी के 54 विमानों का पंजीकरण रद्द किया गया है। इसके चलते कंपनी का परिचालन ठप हो गया है। इस कदम से कर्जदाताओं को नुकसान हो सकता है। एयरलाइन ने मई 2023 में एनसीएलटी में दिवाला समाधान प्रक्रिया के लिए आवेदन किया था। अब उन्हें सम्भावित समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना होगा। गो फर्स्ट के बंद होने से यात्री किसी अन्य विमानन सेवा का उपयोग कर सकते हैं। सुरक्षित रहने के लिए वे सही विकल्प की तलाश में निकलें। वित्तीय संकट कारगर उपायों से पूरी तरह से बाहर निकलने के लिए इस समय में कंपनी को सख्ती से अपनी योजनाएं बनानी होगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि कर्जदाताओं के हितों का भी ध्यान रखा जाए।

12 फीसदी से अधिक गिरा जोमेटो का शेयर, बीएसई पर शेयर 11.64 फीसदी की गिरावट के बाद 212.90 रुपये पर

नइ दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी और ग्रॉसरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयरों में तेजी से गिरावट का सिलसिला जारी है। तिमाही नतीजों के घोषणा के बाद जोमैटो के शेयरों में 12 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट शेयर के मूल्य को 200 रुपये के स्तर पर भी नीचे ले गई है। बाजार में जोमैटो के शेयर अभी भी दबाव में हैं। बीएसई पर शेयर 11.64 फीसदी की गिरावट के बाद 212.90 रुपये पर चल रहे हैं। इंट्रा-डे में यह 12.78 फीसदी गिरकर 210.15 रुपये तक पहुंच गए थे। पिछले कुछ दिनों से शेयर मूल्य में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। इस गिरावट के बाद आईसीआईआई डायरेक्ट के तकनीकी चार्ट्स के मुताबिक जोमैटो के शेयर ने 227.2 के सपोर्ट लेवल को तोड़ दिया है। अब शेयर का सपोर्ट 201.1 पर संभावित है। वहीं अपसाइड में शेयर को 253.3, 266.9, और 279.4 पर रेजिस्टेंस का सामना करना पड़ सकता है। शेयर की स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए निवेशकों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। जोमैटो के शेयरों की हालिया गिरावट ने निवेशकों में चिंता बढ़ा दी है। जबकि जोमैटो कंपनी के प्रतिष्ठित सीईओ ने बताया कि उनके 2000 स्टोर खोलने का लक्ष्य दिसंबर 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। यह पहले से तय किए गए लक्ष्य से एक साल पहले हो रहा है। फिर भी फूड डिलीवरी बिजनेस की धीमी ग्रोथ ने भी जोमैटो के तिमाही नतीजों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।

ट्राई प्रमुख ने स्पेक्ट्रम पर एसएटीआरसी कार्यशाला का उद्घाटन किया

दूरसंचार क्षेत्र में वृद्धि के लिए प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन महत्वपूर्ण : लाहोटी

नई दिल्ली

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में नवाचार, सार्वभौमिक कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन रणनीति महत्वपूर्ण है।

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि ट्राई के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने एशिया प्रशांत दूरसंचार समुदाय (एपीटी) के महासचिव मसनोरी कोंडो की उपस्थिति में स्पेक्ट्रम पर दक्षिण एशियाई दूरसंचार विनियामक परिषद (एसएटीआरसी) कार्यशाला का उद्घाटन किया।

मंत्रालय के मुताबिक तीन दिवसीय कार्यशाला में एसएटीआरसी के सदस्य देशों के प्रतिनिधि, कार्य समूह के सदस्य, उद्योग विशेषज्ञ, कई सरकारी विभागों के प्रतिनिधि आदि भाग लेंगे। इस कार्यशाला का आयोजन एशिया प्रशांत दूरसंचार समुदाय की ओर से किया गया है, जिसकी मेजबानी भारतीय दूरसंचार विनियामक गोवा के होटल डबल ट्री बाय हिल्टन में कर रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य तेजी से विकसित हो रहे दूरसंचार परिदृश्य में प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन के महत्व पर चर्चा करना है।

कार्यशाला के प्रमुख बिंदु

- स्पेक्ट्रम पर इस एसएटीआरसी कार्यशाला से प्रतिभागियों के बीच स्पेक्ट्रम प्रबंधन के प्रमुख मुद्दों के बारे में बेहतर समझ विकसित होने की उम्मीद है, जिससे एसएटीआरसी कार्य समूह के लिए कार्रवाई योग्य दिशा-निर्देश तैयार होंगे। इसके अतिरिक्त, कार्यशाला का उद्देश्य सदस्य देशों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहकार्यता को बढ़ावा देना है, जिसके परिणामस्वरूप प्रभावी स्पेक्ट्रम उपयोग के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों का विकास होगा।
- कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की शुरुआत एशिया-प्रशांत दूरसंचार समुदाय के महासचिव मसनोरी कोंडो के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने इस दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए एपीटी की प्रतिबद्धता पर बल दिया तथा स्पेक्ट्रम संसाधनों के कुशल प्रबंधन में क्षेत्रीय सहयोग को आवश्यक बताया।
- इसके बाद, स्पेक्ट्रम पर एसएटीआरसी कार्य समूह के अध्यक्ष अब्दुल कयूम ने नियामकों के सामने आने वाली चुनौतियों और स्पेक्ट्रम उपयोग को अनुकूलित करने के लिए नवीन समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया।
- उद्घाटन भाषण के दौरान ट्राई के अध्यक्ष अनिल कुमार लाहोटी ने आज के डिजिटल परिवेश में प्रभावी स्पेक्ट्रम प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि दूरसंचार क्षेत्र नवाचार और सशक्तिकरण में सबसे आगे है, यह डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ा रहा है और ऐसे समाधान प्रदान कर रहा है जो जीवन की बेहतरी को बढ़ाते हैं।
- रेडियो आवृत्ति स्पेक्ट्रम की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, एसएटीआरसी ने अपनी कार्य योजना के हिस्से के रूप में स्पेक्ट्रम पर एक कार्य समूह की स्थापना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कार्यशाला उभरती प्रौद्योगिकियों, स्पेक्ट्रम आवंटन और नीति विकास पर अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए उत्कृष्ट मंच प्रदान करती है। सहकार्यता को बढ़ावा देने और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान से यह कार्यक्रम नियामक क्षमता का निर्माण करने, सीमा पार सहयोग को मजबूत करने और दूरसंचार क्षेत्र में सतत विकास का समर्थन करने में मदद करेगा।
- उद्घाटन सत्र का समापन ट्राई के सचिव अतुल कुमार चौधरी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने सभी गणमान्य लोगों और प्रतिभागियों को उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। चौधरी ने जोर देते हुए कहा कि आगामी सत्रों के दौरान होने वाली चर्चाएं सहकार्यता और मिल-जुलकर कर सीखने की भावना को स्थापित करेंगी। उन्होंने ऐसे प्रतिष्ठित समूह को एक साथ लाने में प्रयासों के लिए एपीटी और ट्राई आयोजन समिति को धन्यवाद दिया और सभी को आगामी सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि उनकी सामूहिक अंतर्दृष्टि देश में दूरसंचार विनियमन के भविष्य को आकार देने में अधिक सहायक होगी।
- किसी भी अन्य स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, यतिंदर अग्रोही, सलाहकार (प्रशासन/आईआर) से advadmn[at]trai[dot]gov[dot]in पर संपर्क किया जा सकता है।

पासवान ने कही भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर ले जाने की बात

पासवान ने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के संदर्भ में दावोस पहुंचकर अपनी वकालत की

दावोस

केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान ने अपने बयान में कहा कि भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक स्तर पर ले जाने की दिशा में कई संभावनाएं हैं। उन्होंने विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के संदर्भ में दावोस पहुंचकर अपनी वकालत की।

पासवान ने अपनी बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। पासवान ने अपने बयान में देश के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को मजबूत बनाने के साथ-साथ किसानों की मदद करने का एक महत्वपूर्ण कार्य साबित करने की बात कही। उन्होंने इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के महत्व पर भी जोर दिया और उसका खाद्य सुरक्षा और अर्थिक स्थिति में योगदान करने की बात कही। पासवान ने स्पष्ट किया कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की मिशन को सफल बनाने में खाद्य संस्करण क्षेत्र का बड़ा योगदान होगा।

उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च संभावनाएं देखकर कहा कि भारतीय खाद्य उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलनी चाहिए। उन्होंने इसके साथ ही विश्व बाजार में भारतीय व्यंजनों की मांग बढ़ने का भी उदाहरण दिया। पासवान के इस बयान से स्पष्ट है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है और देश को वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एमसीएक्स का मुनाफा 160 करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) का मुनाफा 160.04 करोड़ रुपये रहा। एमसीएक्स को वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 5.35 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में भारत के सबसे बड़े गैर-कृषि जिंस डेरिवेटिव सूचकांक की कुल आय सालाना आधार पर 209.26 करोड़ रुपये से बढ़कर 324.36 करोड़ रुपये हो गई। व्यय सालाना आधार पर 222.25 करोड़ रुपये घटकर 123.03 करोड़ रुपये हो गया।

किसी को भी लंबे घंटों तक काम करने के लिए नहीं कह सकता : नारायण मूर्ति

हमारी मेहनत का सबसे बड़ा परिणाम होना चाहिए गरीब बच्चों के भविष्य के लिए सफलता और सुधार हो

नई दिल्ली

वर्क लाइफ बैलेंस के महत्व पर चर्चा नवीनतम क्रांति की ओर बढ़ रही है। इस विवाद से उठी बहस में इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति का बयान उकसाने वाला है। उन्होंने हलके से कहा कि हफ्ते में 70 घंटे काम करने की संज्ञाना बनाने की जरूरत नहीं है। मूर्ति ने कहा कि कोई भी किसी आदमी को लंबे घंटों तक काम करने के लिए नहीं कह सकता, लेकिन हर किसी को 'इंट्रोस्पेक्ट' करना चाहिए और इसकी जरूरत को समझना चाहिए।

यह कहते हुए उन्होंने अपने 40 वर्षीय करियर का उदाहरण दिया जहां वे हर हफ्ते 70 घंटे से अधिक काम करते थे। उनका कहना था कि इंट्रोस्पेक्ट करने से हर किसी को अपनी स्थिति को समझने में मदद मिल सकती है। अगर बात इस विवाद की मूल कहानी की तो नारायण मूर्ति ने गहराई से बताया कि महत्वपूर्ण नहीं है कि हम कितने घंटे काम करते हैं, बल्कि यह की हम कितने योगदान दे रहे हैं समाज में। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारी मेहनत का सबसे बड़ा परिणाम होना चाहिए गरीब बच्चों के भविष्य के लिए सफलता और सुधार हो। यहां एक बड़ा सवाल उठता है कि क्या हम अपने जीवन में एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन को कैसे बनाए रख सकते हैं, जब एक उद्यमिता समाज सुधार के साथ आता है। नारायण मूर्ति के बयान से प्रेरित होकर, हमें इस विचार से गुजरना होगा कि हम कैसे अपने काम और जीवन के बीच संतुलन को बनाए रख सकते हैं।

भारत दुनिया का इंजीनियर बनने जा रहा है : अर्जेंटीना

भारत भविष्य में एलएनजी जैसे क्षेत्र में भूमिका बढ़ाने के लिए हो सकता है महत्वपूर्ण उपभोक्ता

नई दिल्ली

अर्जेंटीना की तेल और गैस कंपनी वायपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत की तेजी से बढ़ती आर्थिक वृद्धि और बड़ी आबादी के कारण विश्व के अगले दशक में इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नेतृत्व करने की संभावना जताई है। उन्होंने एक बातचीत के दौरान भारत की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए उज्ज्वल भविष्य की ओर इशारा किया। उन्होंने बताया कि भारत भविष्य में एलएनजी जैसे क्षेत्र में भूमिका बढ़ाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपभोक्ता हो सकता है और अर्जेंटीना भारत के लिए मुख्य आपूर्तिकर्ता बन सकता है। इसके साथ ही, दोनों देशों के बीच लिथियम के क्षेत्र में भी सहयोग के अवसरों की बात की गई है। लिथियम भारत के इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। इस मुद्दे पर भारत के राजदूत मारियानो कॉसिनो ने भी महत्वपूर्ण चर्चा की और दोनों देशों के बीच मित्रता और आर्थिक संबंधों की महत्वपूर्णता पर जोर डाला। उन्होंने बताया कि भारत और अर्जेंटीना के बीच व्यापारिक संबंध मजबूत हो रहे हैं और उन्होंने पिछले साल अपने संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। भारत और अर्जेंटीना के बीच लिथियम खनन और अन्वेषण के क्षेत्र में समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं, जो दोनों देशों के लिए आगे बढ़ने के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारी का कहना है कि भारत की वृद्धि दर बहुत मजबूत है और इसके विशाल आबादी के कारण देश इंजीनियरिंग के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व करेगा। अर्जेंटीना और भारत के बीच सहयोग के क्षेत्रों में बढ़ती मित्रता और व्यापारिक संबंधों से उम्मीद की जा रही है और आने वाले समय में इन संबंधों में और भी गति आने की संभावना है।

देश की जीडीपी 7 से 8 फीसदी तक बढ़ने की संभावना

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि की संभावना है, बताते हुए वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्यूईएफ) ने उजागर किया है कि भारत की जीडीपी 7 से 8 फीसदी तक बढ़ सकती है। उन्होंने इसे आर्थिक सुधारों और हायर इन्वेस्टमेंट के चलते संभावना बताया है। डब्यूईएफ ने कहा कि भारत में विकास के लिए बहुत सारी संभावनाएं हैं और इस साल की 6 फीसदी ग्रोथ दर भी अच्छी है, लेकिन इससे भारत की गति को रोकने कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, और रिसर्च और डेवलपमेंट में निवेश जारी रहना चाहिए।

डब्यूईएफ ने भविष्य में भारत की अर्थव्यवस्था में भी 20 फीसदी हिस्सेदारी की संभावना दी। उन्होंने कहा कि भारत में स्टार्टअप इकोसिस्टम से सपोर्ट मिल रहा है और यहां 1,20,000 से अधिक स्टार्टअप हैं। उन्होंने उत्सुकता से बताया कि भारत में 120 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत का लक्ष्य वास्तविक है कि वह 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बन सकता है, डब्यूईएफ के एक अधिकारी ने कहा कि भारत जल्द ही 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। वह डिजिटल ट्रेड और सर्विसेज में भी हिस्सेदारी बढ़ रही है और यह अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। अंत में वर्कफोर्स के ज्यादा डिजिटलीकरण के साथ-साथ आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर उन्हें पूछा गया था। उन्होंने कहा कि यह प्रोडक्टिविटी में बढ़ोतरी लाता है और भारत के लिए नई टेक्नोलॉजी में बहुत सारे अवसर हैं। लेकिन ये छोटी अवधि में भी कुछ चुनौतियां उत्पन्न कर सकती हैं।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से आज लगातार दूसरे दिन पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। मार्टिन लूथर किंग जूनियर डे होने के कारण सोमवार को अमेरिकी बाजार में कारोबार नहीं हुआ था। हालांकि आज डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर खरीदारी का माहौल बना हुआ है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार पॉजिटिव माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,520.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.31 प्रतिशत उछल कर 7,733.50 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,990.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आज आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 8 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि सिर्फ एक सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बना हुआ है। अभी तक के कारोबार में स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,789.83 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ दिख रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,370.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,927.35 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 228.29 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,154.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 1.03 प्रतिशत उछल कर 1354.27 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,320.95 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,524.19 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,186.78 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.17 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,249.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

गूगल के सर्च इंजन की बाजार हिस्सेदारी में आई गिरावट

साल 2024 की आखिरी तिमाही में गूगल की सर्च इंजन बाजार हिस्सेदारी 90 प्रतिशत से नीचे गिरकर 89.74 प्रतिशत पर पहुंच गई। सर्च इंजन बाजार में वर्षों से बादशाहत कायम रखने वाले गूगल को अब कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट गूगल के लिए बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि इससे पहले 2015 में गूगल की हिस्सेदारी इतनी कम दर्ज की गई थी। गूगल की घटती हिस्सेदारी का सबसे बड़ा फायदा माइक्रोसाफट बिंग को हो रहा है। 2024 के दौरान बिंग ने अपनी बाजार हिस्सेदारी 4प्रतिशततक बढ़ा ली, जो पिछले वर्षों की तुलना में एक बड़ी उपलब्धि है। बिंग की इस सफलता का मुख्य कारण उसकी उन्नत एआई तकनीक और चैटजीपीटी जैसे स्मार्ट टूल्स हैं, जो उपयोगकर्ताओं को अधिक व्यक्तिगत और सटीक परिणाम प्रदान कर रहे हैं। गूगल की पारंपरिक सर्च प्रणाली के मुकाबले, बिंग और अन्य एआई आधारित सर्च इंजन तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। एआई तकनीक पर आधारित सर्च इंजन, जैसे चैटजीपीटी और परप्लेसिटी, भी गूगल के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। ये सर्च इंजन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके उपयोगकर्ताओं को तेज और सटीक उत्तर देने में सक्षम हैं। हालांकि, एक रिपोर्ट में इन एआई सर्च इंजनों की हिस्सेदारी का विश्लेषण नहीं किया गया, लेकिन यह साफ है कि एआई की बढ़ती स्वीकार्यता गूगल के लिए खतरा है।

मोहन बागान सुपर जायंट की आक्रामकता का सामना करेगी चेन्नइयन एफसी

चेन्नई

चेन्नइयन एफसी मंगलवार शाम अपने घरेलू मैदान जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में मोहन बागान सुपर जायंट की मेजबानी करेगी। चेन्नइयन एफसी अपने पिछले चार मैचों (दो ड्रा, दो हार) में जीत से वंचित है और मैरिनर्स के खिलाफ जीत से अपने सूखे को खत्म करना चाहेगी।

वहीं, मैरिनर्स चेन्नइयन के खिलाफ लीड डबल पूरा करना चाहेंगे, क्योंकि उन्होंने 30 नवंबर को अपने घर पर मरीना माचान्स को 1-0 से हराया था।

चेन्नइयन एफसी 16 मैच में चार जीत, पांच ड्रा और सात हार से 17 अंक लेकर तालिका में 10वें स्थान पर है, जबकि मोहन बागान सुपर जायंट 16 मैचों में 11 जीत, तीन ड्रा और दो हार से 36 अंक लेकर तालिका में शीर्ष स्थान पर हैं।

चेन्नइयन एफसी सीजन में अब तक केवल दो क्लीन शीट नहीं रख पाई है और 27 गोल खा चुकी है। वहीं, मैरिनर्स के नाम कुल 31 गोल है, जो कि संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं।

चेन्नइयन एफसी ने अपने पिछले दो घरेलू मैचों में से प्रत्येक में कई (कुल छह) गोल खाए हैं। उन्होंने दिसंबर 2018 से फरवरी 2019 के बीच लगातार तीन घरेलू मैचों में आठ गोल खाए थे।

चेन्नइयन के विपक्षी हाफ में पास के प्रयास (62.4प्रतिशत) लीग में दूसरे स्थान पर हैं जबकि मैरिनर्स अपने हाफ (उनके पास का 48.8प्रतिशत) से अधिक हमले बनाते हैं।

मैरिनर्स ने विपक्षी बॉक्स में औसतन 25.9 टच प्रति मैच किए हैं, जो सबसे ज्यादा है। उस क्षेत्र में उनके 415 टच हैं।

मैरिनर्स ने अपने पिछले तीन अवे मैचों में से प्रत्येक में गोल खाए हैं। अगर चेन्नइयन एफसी आगामी मुकाबले में गोल करती है, तो यह मैरिनर्स का घर से बाहर क्लीन शीट से दूर रहने का सबसे लंबा सिलसिला होगा।

मरीना माचान्स के सहायक कोच नोएल विल्सन ने बताया कि चोटों ने इस सीजन में उनकी रक्षापंक्ति प्रभावित किया है।

उन्होंने कहा, इस सीजन में हम चोटों से परेशान रहे हैं, जिस कारण हम समान बैक-फोर के साथ लगातार नहीं खेल पाए हैं। आप 100 मिनट में डिफेंस को बदलना नहीं चाहेंगे, क्योंकि एक बार जब विरोधी टीम एक गोल कर लेती है, तो वो दूसरे के लिए बेताब हो जाती है। मैरिनर्स के स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना ने पिछले कुछ मैचों में अपने फॉरवर्ड के गोल-स्कोरिंग मौकों से चूकने की चिंताओं को खारिज किया। उन्होंने कहा, अगर मेरे आक्रामक खिलाड़ियों को गोल करने के मौके नहीं मिले, तो मुझे चिंता होगी। लेकिन, ऐसे हालात नहीं हैं और मुझे यकीन है कि गोल आएंगे। बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच नौ मुकाबले हुए हैं। मोहन बागान सुपर जायंट ने चार मैच जीते हैं, जबकि चेन्नइयन एफसी ने दो बार जीती है। तीन मुकाबलों में ड्रा रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

मैनचेस्टर सिटी ने उज्बेकिस्तान के डिफेंडर खुसानोव के साथ अनुबंध पूरा किया

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने सोमवार को फ्रांसीसी टीम लेंस से सेंट्रल डिफेंडर अब्दुकोदिर खुसानोव के साथ अनुबंध की पुष्टि की है। इसके साथ ही खुसानोव प्रीमियर लीग में खेलने वाले उज्बेकिस्तान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने जून 2029 तक साढ़े चार साल के अनुबंध पर सहमति जताई है, और इंग्लिश क्लब को इसके लिए 33.6 मिलियन पाउंड (41.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का भुगतान करना पड़ा है, क्योंकि वे अपनी पहली टीम के दल को फिर से जीवंत करना चाहते हैं। यह बिक्री लेंस के लिए बहुत बड़ा लाभ है, जिन्होंने 18 महीने पहले बेलारूसी क्लब एनर्जेटिक-बीजीयू से उज्बेकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को लगभग 90,000 यूरो (94,000 अमेरिकी डॉलर) में साइन किया था। खुसानोव ने पेप गार्डियोला द्वारा प्रशिक्षित क्लब के लिए साइन करने पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की, क्लब की वेबसाइट के हवाले से उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर सिटी की टीम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भरी हुई है, और मैं उनसे मिलने और उनके साथ खेलने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, और निश्चित रूप से पेप गार्डियोला अब तक के सबसे महान कोचों में से एक हैं और मैं उनसे सीखने और अपने खेल को और भी बेहतर बनाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैनचेस्टर सिटी के फुटबॉल निदेशक त्सिकी बेगिरिस्टेन ने बताया कि खुसानोव, जिन्होंने अपने देश के लिए 18 बार खेला है, बहुत बुद्धिमान हैं, साथ ही मजबूत, आक्रामक और बेहद तेज हैं।

स्टेडियम में 10.50 करोड़ रुपये से बनेगा सिंथेटिक ट्रैक

महोबा। खेलों को बढ़ावा देने के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक ट्रेक के निर्माण का खाका तैयार किया गया ।शासन स्तर से सिंथेटिक ट्रैक के लिए 10.50 करोड रुपये का बजट का प्रस्ताव पास किया गया है। जिससे एथलेटिक्स खिलाड़ियों को आने वाले दिनों में ट्रैक का लाभ मिल सकेगा और सरकार की इस मुहिम से वीरभूमि के युवा खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर जनपद का नाम रोशन कर सकेंगे। जिला उपक्रीड़ाअधिकारी ने बताया कि जनपद मुख्यालय स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में 8 लाइन के 400 मीटर सिंथेटिक ट्रैक के निर्माण को शासन स्तर से मंजूरी मिल गई है। जिसके लिए 10.50 करोड रुपये के प्रस्ताव को हरी झंडी मिल गई है। बताया कि सभी प्रकार के मौसम में सिंथेटिक ट्रैक खिलाड़ियों के लिए उपयोगी साबित होता है। इस ट्रैक पर खिलाड़ियों को चोट आने का खतरा कम रहता है। खेल मंत्री के द्वारा जनपद वासियों को सिंथेटिक ट्रैक के रूप में एक बड़ी सौगात दी गई है।

अश्विन ने शुभमन को उपकप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया

चेन्नई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने आईसीसी चैम्पियंस के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को उपकप्तान बनाये जाने के फैसले को सही बताया है। अश्विन ने कहा कि चयनकर्ताओं ने इससे संकेत दिये है कि भविष्य में शुभमन ही कप्तान बनेंगे। वहीं कुछ प्रशंसकों और विशेषज्ञों का मानना है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या बेहतर विकल्प हो सकते थे। अश्विन ने कहा, ये सोचिए कि हम मौजूदा टीम में से किसे उप-कप्तान नियुक्त कर सकते हैं। मैं यह नहीं कहूंगा कि शुभमन को नियुक्त करने का फैसला सही था या गलत पर जो मुद्दा उठाया गया वह सही था कि वह पिछली सीरीज में भी उप-कप्तान थे। मैं गलत हो सकता हूं पर मुझे लगता है कि उन्होंने टेस्ट में भी कुछ उप-कप्तानी की है। मुझे लगता है कि यह फैसला भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है क्योंकि प्रबंधन इस बारे में सोच रहा होगा कि भविष्य में उनका कप्तान कौन हो सकता है। अश्विन ने साथ ही कहा कि शुभमन सही विकल्प थे क्योंकि उन्हें अंतिम 11 में नियमित माना जा सकता है जबकि ऋषभ पंत और अक्षर पटेल अभी तक इस प्रारुप में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए अक्षर को उप-कप्तान बनाया गया है। अक्षर और रविन्द्र जडेजा के बीच इस बात को लेकर कड़ी प्रतिस्पर्धा है कि दोनों में से कौन अंतिम 11 में खेलेगा।

खो-खो विश्व कप 2025

भारतीय संस्कृति और आतिथ्य ने अंतरराष्ट्रीय प्लेयर्स का जीता दिल

नई दिल्ली

भारत में पहली बार आयोजित किए गए खो खो विश्व कप का पहला संस्करण भारतीय पुरुष और महिला टीमों की जीत के साथ सफलतापूर्वक समाप्त हुआ।

इस ऐतिहासिक आयोजन ने न केवल भारतीय खेल प्रेमियों को रोमांचित किया, बल्कि दुनिया भर से आए खिलाड़ियों और दर्शकों पर भी गहरी छाप छोड़ी। इस आयोजन के दौरान भारतीय संस्कृति, परंपरा, और आतिथ्य का जो अद्वितीय अनुभव प्रस्तुत किया गया, उसकी प्रशंसा विश्व स्तर पर हुई।

भव्य उद्घाटन समारोह में भारतीय संस्कृति की झलक

खो खो विश्व कप की शुरुआत छह महाद्वीपों के 23 देशों के खिलाड़ियों और प्रतिनिधियों के स्वागत के साथ हुई। भारतीय परंपरा के अनुसार आयोजित इस भव्य उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक संगीत और नृत्य प्रदर्शन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) और अंतरराष्ट्रीय खो खो महासंघ (आईकेकेएफ) ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरी मेहनत की।

ईरान की टीम के खिलाड़ी आमिर घियासी ने भारत के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, हम पहली बार भारत आए और हमें यहां शानदार समय बिताने का मौका मिला। भारतीय आतिथ्य अद्भुत था। हमें यहां हर संभव सुविधा दी गई, चाहे वह भोजन हो या आवास। हमने भारतीय संस्कृति का आनंद लिया और यह हमारे लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहा।

केकेआर की ओर से रिटेन नहीं किये जाने से हैरान था : श्रेयस

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के लिए गत माह हुई मेगा नीलामी में दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने श्रेयस अय्यर ने पहली बार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिटेन न करने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। श्रेयस की कप्तानी में ही केकेआर ने 2024 में आईपीएल खिताब जीता था। ऐसे में सभी का मानना था कि इस बार भी उन्हें कप्तान बनाया जाएगा। श्रेयस ने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा था कि उन्हें रिटेन कर लिया जाएगा। फ्रेंचाइजी ने सत्र समाप्त होने के ठीक बाद रिटेंशन की बात की थी पर उसके बाद केकेआर की ओर से कोई ऐसा प्रस्ताव नहीं किये जाने से वह हैरान हो गए। श्रेयस ने कहा, निश्चित रूप से केकेआर में चैंपियनशिप जीतने में मेरा समय शानदार रहा। वहां गुजारा हर पल मुझे पसंद आया तो जाहिर है, हमने आईपीएल चैंपियनशिप के बाद सीधे बातचीत की थी पर इसके बाद कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ। उनकी ओर से मुझसे संपर्क ही नहीं किया गया।

खिलाड़ियों के दिल में बसा भारतीय आतिथ्य

विदेशी खिलाड़ियों ने भारतीय आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि भारत ने उनके लिए विशेष भोजन और सुविधाओं की व्यवस्था की। खिलाड़ियों की सेहत और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर्स और फिजियोथेरेपिस्ट भी हर समय उपलब्ध रहे।

न्यूजीलैंड की महिला टीम का हिस्सा रहीं मूल भारतीय खिलाड़ी अमनदीप कौर ने कहा, भारतीय आतिथ्य और आयोजन के स्तर ने हमें चौंका दिया। टूर्नामेंट बेहद प्रतिस्पर्धी था, और अब हम भविष्य में और बेहतर तैयारी के लिए प्रेरित हैं।

भारतीय संस्कृति में रचा-बसा टूर्नामेंट

खिलाड़ियों को न केवल खेल में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला, बल्कि भारतीय संस्कृति को करीब से जानने का भी अवसर मिला। ताजमहल की यात्रा से लेकर भारतीय स्ट्रीट फूड का आनंद उठाने तक, खिलाड़ियों ने हर अनुभव को भरपूर जिया।

पेरू पुरुष टीम की कोच सिल्वाना पेट्रीसिया ने कहा,आतिथ्य, भोजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने हमें गहराई तक प्रभावित किया। भारतीय संगीत और नृत्य का आनंद लेना अद्भुत रहा। यहां हर चीज देखने लायक थी, और यह विश्व कप मेरे जीवन के सबसे अच्छे अनुभवों में से एक है।

ब्राजील की पुरुष टीम की कोच लॉरा डोअरिंग ने भी भारत की प्रशंसा करते हुए कहा,भारत की संस्कृति हमारी संस्कृति से पूरी तरह अलग है। यहां के लोग बेहद अच्छे हैं। मैंने यहां डांस मूव्स सीखे हैं और मैं उन्हें अपने साथ वापस ले जाना चाहती हूं।

आयोजन की सफलता पर आयोजकों की भूमिका

भारतीय खो खो महासंघ और अंतरराष्ट्रीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और महासचिव रोहित हल्दानिया के नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया गया कि विदेशी खिलाड़ियों को हर तरह की सुविधा मिले।

सोफी एक्लेस्टोन ने एशेज हार के बाद टीवी इंटरव्यू से किया इनकार : एलेक्स हार्टले

नई दिल्ली

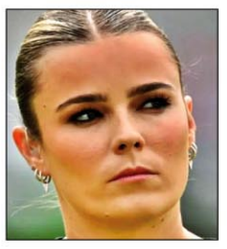

इंग्लैंड की पूर्व विश्व कप विजेता स्पिनर एलेक्स हार्टले ने दावा किया है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। हार्टले का कहना है कि टीम की प्रमुख खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन ने उनके साथ टीवी इंटरव्यू करने से इनकार कर दिया। यह विवाद हार्टले द्वारा इंग्लैंड की खिलाड़ियों की फिटनेस पर की गई आलोचना के बाद खड़ा हुआ है।

हार्टले, जो पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद एक सफल प्रसारक और विश्लेषक के रूप में सक्रिय हैं, ने हाल ही में कहा था कि इंग्लैंड की टीम ने अक्टूबर में टी20 विश्व कप के दौरान खराब फिटनेस के कारण निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ हार को इंग्लैंड के कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस के लिए जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, इंग्लैंड के कप्तान हीथर नाइट और कोच जॉन लुईस ने इस आरोप को खारिज करते हुए इसे टीम के प्रदर्शन का कारण मानने से इनकार किया था।

हार्टले का खुलासा: टीम से बातचीत बंद

सिडनी में सोमवार को खेले गए पहले टी20 मैच में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया से 57 रन से हार का सामना करना पड़ा, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज में 8-0 की बढ़त बना ली। इस हार के बाद हार्टले ने बीबीसी के टीएमएस पॉडकास्ट पर खुलासा किया कि इंग्लैंड की टीम अब उनसे कोई संवाद नहीं कर रही है।

हार्टले ने कहा, इंग्लैंड की टीम ने मुझे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। मैंने केवल यह कहा था कि उनकी फिटनेस ऑस्ट्रेलिया के स्तर की नहीं है। मेरा मकसद था कि वे बेहतर बनें और बड़ी ट्रॉफियां जीतें। लेकिन तब से टीम ने मुझसे दूरी बना ली है।

इंग्लैंड की फील्डिंग और फिटनेस पर सवाल

एशेज सीरीज के दौरान इंग्लैंड की फील्डिंग और एथलेटिक प्रदर्शन सवालों के घेरे में रहा है। हार्टले ने कहा कि इंग्लैंड ने पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की एथलेटिकिज्म का सामना करने में संघर्ष किया। उन्होंने इंग्लैंड के कोच जॉन लुईस के उस बयान को भी खारिज किया, जिसमें उन्होंने टीम में फिटनेस को कोई समस्या नहीं बताया था।

हार्टले ने कहा, जॉन लुईस का मानना है कि इंग्लैंड की फिटनेस में कोई समस्या नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि कुछ खिलाड़ियों की एथलेटिकिज्म में सुधार की जरूरत है। अगर मेरी राय टीम को गलत लगती है, तो यह उनका अधिकार है, लेकिन मेरे साथ किया गया व्यवहार पूरी तरह से अनुचित है।

आगे बढ़ने का सवाल

हार्टले ने साफ किया कि उनकी टिप्पणियों का मकसद टीम की आलोचना नहीं, बल्कि उसे बेहतर बनाने में मदद करना था। उन्होंने कहा, अगर इंग्लैंड और मेरे रिश्ते इसी तरह आगे बढ़ने वाले हैं, तो ऐसा ही सही।

रिचर्ड डॉसन बने ग्लैमरगन के अंतरिम मुख्य कोच

नई दिल्ली

ग्लैमरगन क्रिकेट क्लब ने रिचर्ड डॉसन को अपना अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह कदम पिछले महीने पूर्व कोच ग्रांट ब्रैडबर्न के भेदभावपूर्ण व्यवहार के आरोपों के चलते इस्तीफा देने के बाद उठाया गया।

डॉसन का कोचिंग करियर बेहतरीन अनुभवों से भरा है। उन्होंने ग्लूस्टरशायर के मुख्य कोच के रूप में छह वर्षों तक काम किया, जिसमें टीम को 2019 में डिवीजन वन में प्रमोशन दिलाने और 2020 के टी20 फाइनल में पहुंचाने में मदद की। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रदर्शन मार्ग में योगदान दिया और इंग्लैंड अंडर-19 टीम की देखरेख भी की।

डॉसन का बयान

नियुक्ति पर डॉसन ने कहा, मैं ग्लैमरगन के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त होकर बेहद खुश हूं। वेल्श फायर के साथ मेरे अनुभव ने मुझे क्लब के कामकाज को करीब से समझने का मौका दिया। मैं खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर पिछले सत्र की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं।

डॉसन ने अपने खेल करियर के दौरान यॉर्कशायर का लंबे समय तक प्रतिनिधित्व किया और सात टेस्ट मैच खेले। उन्होंने नॉर्थम्पटनशायर और ग्लूस्टरशायर में भी कुछ समय बिताया।

आगामी कार्य

डॉसन फिलहाल इंग्लैंड लायंस महिला टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हैं और महिला प्रीमियर लीग में काम करने के बाद मार्च से ग्लैमरगन की जिम्मेदारी संभालेंगे। वे हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान वेल्श फायर के सहायक कोच के रूप में भी काम करेंगे।

क्लब का बयान

ग्लैमरगन के क्रिकेट निदेशक मार्क वालेस ने डॉसन की नियुक्ति को क्लब के लिए बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, हम रिचर्ड डॉसन जैसे अनुभवी और योग्य कोच को टीम के साथ जोड़ने में सफल हुए हैं। हम उनसे टीम को विकसित करने और इस सीजन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की उम्मीद करते हैं। ग्लैमरगन की नजर अब 2025 सीजन के लिए स्थायी कोच नियुक्त करने पर है, लेकिन फिलहाल डॉसन क्लब को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी संभालेंगे।

अक्षय पात्र के वार्षिक उत्सव अक्षय तरंग में क्रिकेट और वॉलीबॉल में गौतमबुद्धनगर टीम ने मारी बाजी

नई दिल्ली

अक्षय पात्र फाउंडेशन का वार्षिक उत्सव अक्षय तरंग नई दिल्ली में सोमवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कर्मचारियों के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्रिकेट, वॉलीबॉल, रस्साकसी, लेमन रेस और थ्री-लेग रेस जैसी प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एशियन मैराथन चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता डॉ. सुनीता गोदारा थीं। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि फिटनेस और टीम वर्क किसी भी संगठन की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं। विशेष अतिथि के तौर पर अखिल भारतीय धर्म समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष शुभेष शर्मन भी उपस्थित थे।

खेल प्रतियोगिताओं में गौतमबुद्धनगर का दबदबा

क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में गौतमबुद्धनगर और डीएमसी यूनिट का मुकाबला हुआ। गौतमबुद्धनगर टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में अरुण कसाना ने 15 गेंदों में 29 रन बनाए और एक विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच बने। डीएमसी के प्रीत को पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द सीरीज का खिताब दिया गया।

वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भी गौतमबुद्धनगर टीम ने जहांगीरपुरी टीम को हराकर खिताब पर कब्जा किया।

अन्य खेलों में भी दिखा जोश

रस्साकसी प्रतियोगिता के फाइनल में जहांगीरपुरी टीम ने डीएमसी यूनिट को हराकर खिताब जीता। लेमन रेस में डीएमसी यूनिट के दीपक मिश्रा विजेता बने, जबकि थ्री-लेग रेस में गौतमबुद्धनगर के मनोज और सुशील ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

प्रेरणा और उत्साह का माहौल

डॉ. सुनीता गोदारा ने अपने संबोधन में कहा, फिट इंडिया की दिशा में यह आयोजन सराहनीय है। इस तरह के कार्यक्रम न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक विकास के लिए भी आवश्यक हैं। उन्होंने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण, सतत् सीखने और टीम वर्क के महत्व पर जोर दिया।

एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 का चौथा संस्करण फरवरी में, एमएसएलटीए, सीसीआई करेंगे मेजबानी

मुंबई

महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन (एमएसएलटीए) और क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाला एलएंडटी मुंबई ओपन डब्ल्यूटीए 125 के सीरीज का चौथा संस्करण फरवरी 2025 में शुरू होगा।

टूर्नामेंट 1 फरवरी से क्वालीफाइंग राउंड के साथ शुरू होगा, जबकि मुख्य ड्रॉ 3 फरवरी से होगा और फाइनल मुकाबला 9 फरवरी को सीसीआई के कोर्ट पर खेला जाएगा। इस इवेंट में दुनिया के शीर्ष और उभरते हुए खिलाड़ी भाग लेंगे।

आयोजन समिति के सदस्य, आईएएस अधिकारी संजय खंडारे और प्रवीण दराडे ने कहा, हम चौथी बार एलएंडटी मुंबई ओपन की मेजबानी करते हुए रोमांचित हैं। पिछले तीन संस्करणों की सफलता के बाद, हमें इस बार भी दिलचस्प मुकाबलों की उम्मीद है। मुंबई हमेशा खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए खास रही है, और हमें विश्वास है कि यह संस्करण भी यादगार होगा।

प्रतिभागी और प्रतियोगिता का स्तर

इस बार टूर्नामेंट में कई शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें शामिल हैं-

तात्जाना मारिया (जर्मनी) : वर्तमान विश्व रैंकिंग 89। अपने करियर का चौथा एकल खिताब जीतने के इरादे से उतरेंगी।

रेबेका मैरिनो (कनाडा) : विश्व रैंक 98। 2024 में डॉव टेनिस क्लासिक जीतने वाली मैरिनो अपने दूसरे डब्ल्यूटीए खिताब के लिए प्रयास करेंगी।

नूरिया पैरिज़ास-डियाज़ (स्पेन) : विश्व रैंक 104। तीन डब्ल्यूटीए चैलेंजर खिताब अपने नाम कर चुकीं नूरिया हाल ही में वर्कडे कैनबरा इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में पहुंची थीं।

गत विजेता दार्जा सेमेनिस्टाजा (लातविया), जो विश्व रैंकिंग में 120वें स्थान पर हैं, अपने खिताब की रक्षा करेंगी। इसके अलावा, ग्रेट ब्रिटेन की हैरियट डार्ट (रैंक 113) और फिलीपींस की युवा खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा एला (रैंक 138) भी मुकाबले का हिस्सा होंगी।

पिछले संस्करण और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

2024 में मुंबई ओपन ने छह साल बाद वापसी की थी। पिछले एकल खिताब लातवियाई खिलाड़ी दार्जा सेमेनिस्टाजा ने जीता था, जबकि युगल में डेलिला जाकुपोविक और सबरीना सांतामारिया की जोड़ी विजेता रही थी।

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के पूर्व चैंपियंस में 2017 की विजेता विश्व नंबर 2 आर्यना सबालेंका और 2018 की विजेता थाईलैंड की लुक्सिका कुमखुम शामिल हैं। एलएंडटी मुंबई ओपन 2025 से न केवल प्रतिभागियों, बल्कि मुंबई के टेनिस प्रशंसकों को भी जबरदस्त उम्मीदें हैं। आयोजकों का कहना है कि यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए यादगार अनुभव साबित होगा।

टिप्स

कुछ हफ्तों में ही दूर होंगे स्ट्रेच मार्क्स, अपनाएं ये असरदार उपाय

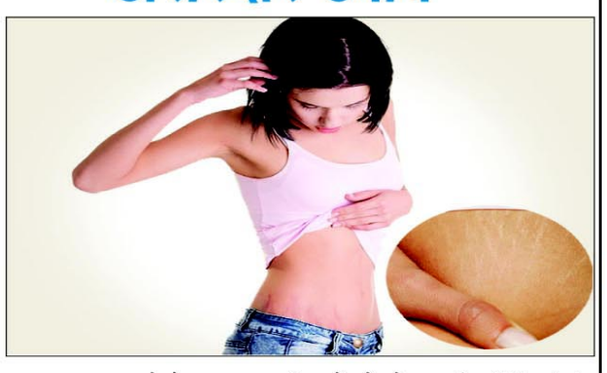

वजन कम करने के बाद कुछ महिलाओं को स्ट्रेच मार्क्स (Stretch Marks) की समस्या झेलनी पड़ती है। यह मार्क्स कई कारणों से हो सकते है। अचानक वजन कम या डिलवरी के बाद वजन कम होने के बाद महिलाओं में यह समस्या देखने को मिलती है। ये शरीर के किसी भी अंग जैसे पेट, हाथ,पैरों की पिंडलियों या जांघ आदि पर हो सकते हैं। इनसे छुटकारा पाने के लिए महिलाएं कई तरह के ट्रीटमेंट और क्रीस का सहारा लेती है लेकिन इनसे स्ट्रेच मार्क्स के निशान दूर नहीं होते है।

अंडा:- स्ट्रेच मार्क्स वाली जगह को अच्छी तरह साफ करके वहां एग व्हाइट लगा उसे सूखने दें। इसके बाद ठंडे पानी से इसे साफ करके जैतून के तेल से मालिश करें। 2 हफ्ते तक ऐसा करने से स्ट्रेच मार्क्स गायब हो जाएंगे।

आलू का रस:- आलू को लैंड करके उसका जूस निकाल कर स्ट्रेच मार्क्स वाली जगहें पर लगाएं। इसके अलावा आप आलू की मोटी स्लाइस को स्ट्रेच मार्क्स पर रब भी कर सकते है। 3 हफ्ते इसे लगाने से निशान दूर हो जाएंगे।

एलोवेरा: एलोवेरा जेल को 15 मिनट तक स्ट्रेच मार्क्स वाली जगहें पर लगाकर ठंडे पानी से साफ करें। इस नेचुरल तरीके से आपको स्ट्रेच मार्क्स से कुछ हफ्ते में ही छुटकारा मिल जाएगा।

मसाज करना: जैतून, अरंडी, बादाम, नारियल, एवोकाडो और वीट जर्म आयल से 10 मिनट मसाज करने से भी स्ट्रेच मार्क्स गायब हो जाते है। इसके अलावा आप कोकोआ मक्खन और शिया मक्खन से भी मसाज कर सकती है।

धीरे-धीरे वजन कम करना: तेजी से वजन कम करने के कारण भी त्वचा पर स्ट्रेच मार्क्स पड़ जाते है। इसलिए तेजी की बजाए धीरे-धीरे वजन कम करें। इसके अलावा वजन कम करते समय जंक फूड और शुगर से दूर रहें।

बॉडी हाइड्रेट करना: मोटापा कम करते समय शरीर को हाइड्रेट से स्ट्रेच मार्क्स नहीं पड़ते। इसके लिए वजन कम करते समय दिन में 3-4 लीटर पानी, हर्बल चाय, फ्रूट जूस और वेजिटेबल जूस का सेवन करें।

पोशाक को लेकर युवाओं में बढ़ता फैशन का क्रेज

फैशन को लेकर युवा पीढ़ी कुछ ज्यादा ही संजीदा है। वक्त के साथ बदलते फैशन पर यह पीढ़ी न सिर्फ नजर रखती है। समय बदलने के साथ फैशन ट्रेड पर नजर रखना और उसे अपनाने की होड़ में यह सबसे आगे रहते है। जूते परिधान का अहम हिस्सा होते हैं। सही जूतों के बिना स्टाइल स्टेटमेंट अधूरा ही रहता है। हालांकि जूते का सबसे जरुरी काम पैरों को गंदगी और चोट आदि से बचाना है, लेकिन ये सुरक्षा व सहूलियत के अलावा आपके स्टाइल स्टेटमेंट और पूरे पहनावे को पूर्णता प्रदान करते हैं। जूतों के अलग-अगल डिजाइन का प्रयोग अब केवल महिलाएं ही नहीं बल्कि पुरुष भी अलग-अलग डिजाइन के जूतों को प्रयोग अलग-अलग मौकों पर करते हैं।टीवी सीरियल या सिनेमा में कोई भी नया फैशन आया नहीं कि युवाओं को इसे अपनाने में देर नहीं लगती। जाहिर सी बात है कि समाज में अपने आप को बनाये रखने के लिये जमाने के साथ चलना है। इस बात का भी डर है कहीं पिछड़ न जायें। युवक बाइक, कार, कपड़ों के साथ मैचिंग के जूते, चप्पल, हेयर कट, पर्स, हेयर पिन, ज्वैलरी आदि बहुत सी चीजें हैं। जिसे लेकर युवा दीवानगी की हद तक गुजर जाने को तैयार रहते हैं। युवकों में डिजाइनदार और लेटेस्ट स्पोर्ट शू की मांग ज्यादा है। फैशन के हिसाब से मांग बढ़ती और घटती रहती है। लड़के हों या लड़कियां जींस की मांग सबसे ज्यादा है। साथ ही लड़कियों में लेगीज कुर्ती की भी खूब मांग है। अक्सर ऐसा होता है कि बाजार में नये डिजाइन आते ही मांग शुरू हो जाती है।

मौकों के हिसाब से जूतों का चुनाव

यदि मौके के हिसाब से आपका फुटवेयर सुंदर है तो यह आपके स्टाइल और लुक में में चार चांद लगा देगा। यूं तो हर स्टाइल का जूता अपने आप में खास होता है और यह खास किस्म के ड्रेसिंग और अवसर के लिए ही उपयुक्त होता है।

क्यों है सही चुनाव ज़रूरी

कई बार आपको संड़े के दिन भी ऑफिशियल काम पर जाना पड़ सकता है, या फिर कोई हाफ-फार्मल-हाफ-कैजुअल वाले इवेंट को भी अटैंड करना पड़ सकता है। तो ऐसे में दुविधा में न पड़ जाते कि फार्मल पहनें या लोफर, या फिर कैजुअल। एक ऐसा वार्डरोब बनाएं जो हर अवसर के लिए आपकी जरूरतों को पूरा करे। ये आपको आखिरी समय की कशमकश से बचाएगा।

फॉर्मल लेदर शूज

फॉर्मल लेदर शूजजब भी टक्सीडो के लिए उपयुक्त जूते की बात आती है तो विकल्प काफी कम नज़र आते हैं। सूट के साथ पहनने वाले जूतों के बनिस्पद आप नहीं चाहेंगे कि आपके शूज़ में अतिरिक्त सिलाई हो। फॉर्मल शूज को फीतों के अलावा पूरी तरह से प्लेन होना चाहिए और वे चमकदार भी होने चाहिए। लेकिन अगर आप पैटेंट लेदर में सहज महसूस नहीं करते हैं तो चमकरहित काले लेदर के जूते भी पहन सकते हैं।

बिजनेस शूज

सूट के साथ जूते पहनने का पहला नियम है कि जूते लेदर के हों, न सिर्फ ऊपरी हिस्सा बल्कि सोल भी। ऐसे जूते न पहनें जिनका ऊपरी हिस्सा लेदर का और सोल भद्दे रबर का। लेदर के जूते की तुलना में ये उतने फार्मल नहीं होते हैं। फीते वाले जूते को पुरुषों के लिए बेस्ट फार्मल माना जाता है।

बिजनेस कैजुअल शूज

जब बात बिजनेस कैजुअल शूज की आती है तो मामला काफी अलग हो जाता है। पिकनिक, फार्मल संडे ब्रंच आदि कई ऐसे मौके होते हैं जहां जींस और ब्लेजर के साथ सेमी फार्मल पहनना पड़ता है। तो अगर आप कैजुअल पैंट, डेनिम या शॉर्ट्स पहनेंगे तो आपका ड्रेस शूज काम नहीं आएगा। तो अगर आप कैजुअल ड्रेस में प्रोफेशनल लुक भी चाहते हैं तो लेदर से बने बूट शूज या लोफर पहन सकते हैं।

सफर के दौरान शूज

सफर के दौरान लोफर को फार्मल जूता बनाया जा सकता है। सफर करने वाले प्रोफेशनल्स के लिए लोफर शूज सबसे अच्छे होते हैं। ये बेहद आरामदेह होते हैं और आप इन शूज को आसानी से खोल और पहन सकते हैं। लोफर शूज जींस और पैंट के साथ भी बेहतरीन लुक देते हैं।

वर्कआउट के हिसाब से शूज

वर्कआउट के समय इसके हिसाब से ही जूते चुनें। जैसे दौड़ने वाले जूते बास्केटबॉल और टेनिस के जूतों से अलग होते हैं। वहीं दौड़ते वक्त ऐसे जूते पहने जो आपके पैरों को सही ग्रिप और घुटनों को सही सपोर्ट दें। हमेशा ऐसे जूते चुनें जिनकी ग्रिप अच्छी हो, वे पैरों में अच्छे से फिट हों और उनका वजन भी अधिक न हो।

आहार

सर्दियों में खाएंगे शकरकंद तो मिलेंगे ढेरों फायदे

सेहत को अच्छा रखने के लिए पौष्टिक आहार का सेवन करना बहुत जरूरी है। बहुत से लोग फिटनेस के लिए एक्सरसाइज और योग का सहारा लेते हैं लेकिन जब तक अच्छी डाइट को आहार में शामिल नहीं करेंगे कोई फायदा नहीं होगा। सर्दी के मौसम में लोग शक्कंदी यानि स्वीट पोटैटो खाना बहुत पसंद करते हैं। इसकी चटपटी चाट खाने में जितनी टेस्टी होती है सेहत के लिए भी उतनी ही फायदेमंद भी है। आप शक्करकंदी को उबालकर या भून कर खा सकते है। आइए जानें इसके गुणों के बारे में।

विटामिन का खजाना शकरकंद में

शकरकंद में काबरेहाइड्रेट, फाइबर, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन सी मिलता है। इसकासेवन करने से बहुत-सी समस्याओं से बचा जा सकता है।

बच्चों का शारीरिक विकास

बढ़ते हुए बच्चों के लिए शकदकंदी बहुत जरूरी होती है। अगर बच्चों की ग्रोथ अचानक रुक जाए तो को शकरकंद का सेवन करवाना शुरू कर दें। इससे बच्चों को सारे पोषक ततेव आसानी से मिलेगे और शारीरिक विकास भी अच्छी तरह से होगा।

आंखों की समस्या से छुटकारा

इसमें विटामिन ए की भरपूर मात्र पाई जाती है जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। कुछ लोगों को रात के समय कम दिखाई देता है। शक्कंदी खाने से इस समस्या से राहत मिलती है।

दिल और हड्डियां मजबूत

दिल और हड्डियां मजबूतआजकल लोगों में दिल और हड्डियों की परेशानी आम सुनने को मिल रही है। इसे खाने से हड्डिया मजबूत होती है और दिल की बीमारियों से भी राहत मिलती है।

जीतना है सास का दिल तो अपनाएं ये आसान ट्रिक

सास और बहू के रिश्ते में तकरार और नोक-झोंक के साथ-साथ प्यार भी होता है। इसके बावजूद भी शादी से पहले लड़कियां सोचती है कि किस तरह से सास का दिल जीता जाए। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं। आज हम आपको शादी के बाद किन आसान तरीकों से आप अपनी सास का दिल आराम से जीत सकती है।

तुलना करना

अपनी सास का दिल जीतने के लिए उनकी तुलना अपना मां से न करें। इसकी बजाए आप अपनी सास को उन्ही की तरह समझने की कोशिश करें।

तारीफ करना

तारीफ सुनना तो हर महिला को पंसद होता है। ऐसे में अपनी सास को थोड़ा सा मक्खन लगा कर आप उन्हें अपनी तरफ कर सकती है।

गिफ्ट देना

अपनी सास को खुश रखने के लिए किसी फंक्शन या विदाउट फंक्शन कोई अच्छा सा गिफ्ट देती रहें। इससे आपकी सास भी आपके प्यार को समझने लगेगी।

बातें शेयर करना

सास को मां की तरह ही समझ कर उनसें हर बात शेयर करने से आपके बीच विश्वास बढ़ेगा और रिश्ता मजबूत होगा। इसके अलावा ससुराल में किसी तरह की समस्या होने पर भी पहले सास के साथ बात करें।

सलाह लेना

कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेने से पहले अपनी सास से सलाह जरूर लें। इससे आप दोनों के रिश्ते में विश्वास के साथ-साथ मजबूती भी आएगी।

मिलकर करें किचन का काम

आजकल की ज्यादातर महिलाएं शादी के बाद भी ऑफिस जाना पंसद करती है। ऐसे में अपनी सास के लिए थोड़ा सा टाइम निकाल कर किचन में हाथ बढ़ाए। इससे आपकी सास खुश हो जाएगी।

सीरियल्स की बाते

अक्सर सास को टीवी सीरियल्स की बात करने के लिए कोई ना कोई चाहिए होता है। ऐसे में आप उनसे सास-बहू सीरियल्स की बात करके उनके और भी करीब आ सकती है।

हर बात मानना

सास की हर छोटी-बड़ी बात मान कर भी आप अपनी सास को खुश कर सकती है। क्योंकि हर सास चाहती है कि उसकी बहू उनकी हर बात को सुनें और मानें।

ऐसे सजाएं अपनी आंखों को

आज कल सभी महिलाएं अपने आप को खूबसूरत देखना चाहती हैं। आंखे चेहरे की खूबसूरती का एक अहम हिस्सा है, आंखों की खूबसूरती से चेहरे पर एक अलग ही निखार आ जाता है और आप अधिक सुन्दर दिखती हैं। अगर आंखों का मेकअप सही ढंग से किया गया है तो चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लग जाती है। आंखों के मेकअप के लिए हर मौसम में बेज, गोल्डन और लाइलैक शेड्स बेस्ट होते हैं। इनके साथ टरक्वायज और फ्यूशिया कलर आंखों को खास आकर्षण देता है।इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे आंखों के मेकअप के कुछ महत्वपूर्ण ट्रिक्स और टिप्स-

आंखों पर नेचुरल मेकअप के लिए न्यूट्रल शैडो को प्रयोग करें। इसे आइलिड की क्रीज पर यानी आइरिस के ऊपर लगाएं। अगर कोई अन्य कलर ऐड करना चाहती हैं तो वनीला या लाइट कलर से एक स्ट्रोक दें. अच्छी तरह ब्लेंड करें। दोबारा लिड पर लाइट कलर से स्ट्रोक दें। फिर थोडा डार्क कलर क्रीज लाइन पर लगाएं। अपर और लोअर लैश लाइन पर भी डार्क कलर से कवर दें।

ब्राउन आइलाइनर आंखों के भीतरी कोने से थोडी दूर से शुरू करते हुए बाहरी कोनों से थोडा बाहर तक लगाएं। ताकि आंखें बडी और आकर्षक नजर आएं।

डिफाइनिंग मस्कारा लगाना न भूलें। इसका डबल कोट लगाएं। मस्कारा लगाने से पहले लैश को कर्ल जरूर कर लें।

फैट क्रेयान पेंसिल का इस्तेमाल करें, जो क्रीमी पाउडर टेक्सचर वाली हो। ताकि फैलाने में आसान हो। अपना आई पेंसिल शार्पन करने से पहले फ्रीज कर लें ताकि वह टूटे नहीं।

आंखों के चारों और लाइनर लगा लेने से वे छोटी नजर आती हैं न कि बडी। तो लगाते समय इस बात का ध्यान रखें।

स्मोकी आई लुक मेकअप

स्मोकी आईलुक देने के लिए आंखों में सबसे पहले ब्लैक कलर का काजल और आईलाइनर लगाये। फिर उसके बाद ब्लैक और ब्राउन आईशैडो को एक साथ मिलाकर आईलिड पर लगाएं। अब इसके बाद व्हाइट गोल्ड या कापर कलर से हाईलाइटिंग करें और ऊपर-नीचे की पलकों पर मस्कारा लगाएं।

पिकौक टच आई मेकअप

आंखों को पिकौक टच का लुक देने के लिए आप सबसे पहले मोटा और डार्क काजल और आईलाइनर लगाएं। उसके बाद पर्ल और ग्रीन कलर के आईशैडो को आपस में मिलाकर आईलिड पर लगाएं। आईशैडो को आंखों के चारों तरफ लगाएं यानि काजल के नीचे भी हल्का सा लगाइये। अब इसके बाद ऊपर और नीचे की पलकों में ब्लैक और ग्रीन शेड का मस्कारा एक-एक करके लगाएं। इस तरह आप की आंखे पिकौक टच के साथ आपका खूबसूरती को ऐर बढ़ा देगी।

रेसिपी

क्रिस्पी वेज आमलेट

सामग्री

बेसन: 1 कप, हल्दी: 1/4 टीस्पून
अजवाइन: 1/4 टीस्पून, नमक: स्वादनुसार
पानी: आधा कप, प्याज: 1/2 (बारिक कटा हुआ)
धनियां:2 टेबलस्पून
टमाटर: 1/2 (बारिक कटा हुआ)
अदरक:1 इंच (बारिक कटी हुई)
हरी मिर्च: 1 (कटी हुई)
ऑयल: 5 टीस्पून

विधि

एक बाउल में बेसन, हल्दी, अजवाइन, नमक और पानी डालकर अच्छी तरह ब्लैंड करके 30 मिनट के लिए मेरिनेट होने के लिए रख दें। इसके बाद इसमें प्याज, टमाटर, धनिया, अदरक और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। एक पैन में हल्का सा ऑयल डालकर इसे फैला कर आमलेट की तरह कुक करें। आपका बेज आमलेट बन कर तैयार है। अब आप इसे हरी चटनी के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

स्प्राउटस् सेन्डविच

सामग्री

8 गेहूं के ब्रेड के स्लाईस, 8 प्याज़ के स्लाईस, 2 स्पून लो-फैट मक्खन, 1 कप उबले मिले-जुले अंकुरित दाने, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 2 स्पून अदरक-लहसुन पेस्ट, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 स्पून पाव भाजी मसाला, 2 स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 स्पून काला नमक, 1 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू

विधि

स्प्राउटस् मिश्रण के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट या उनके पारदर्शी होने तक भून लें। अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। पाव भाजी मसाला, धनिया-ज़ीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, काला नमक, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें और आलू डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें के मिश्रण को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक गेहूं के ब्रेड स्लाईस को सूखे समतल जगह पर रखें और अंकुरित दानें के मिश्रण के एक भाग को उपर फैला लें। 2 प्याज़ के स्लाईस रखकर दूसरे ब्रेड स्लाईस से सेन्डविच बना लें। ग्रिलर को गरम करें और सेन्डविच को 1/2 टी-स्पून लो-फैट मक्खन के साथ सेन्डविच दोनो तरफ से के सुनहरा और करारा होने तक ग्रिल कर लें। दोहराकर 3 और सेन्डविचस् बना लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**